



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 5, 1977 (माघ 16, 1898)
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 5, 1977 (MAGHA 16, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० पी० 197/प्रशा० II—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 7 फरवरी, 1976 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निदेशक (तथ्य संसाधन) श्री पी० चटर्जी की सेवा को 1-2-1977 से छह मास की अतिरिक्त अवधि के लिए बढ़ाने हेतु अथवा आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, अध्यक्ष संघ लोक सेवा आयोग, सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

यह अनुमोदन कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के राज्य मंत्री ने कर दिया है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव (प्रशासन)

हुते अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1977

पत्र सं० ए०-II/38/76—श्री एस० एम० शिरोले, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, बम्बई को प्रवर्तन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर दिनांक 6-12-76 (अप्रराह्ण) से अगले आवेदनों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० जैन
निदेशक

केन्द्रीय सचिवालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय श्रवण ध्वरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० के-19/72-प्रशा० 5—दिल्ली पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री के० एल० कालरा ने दिनांक 31-12-76 (अप्रराह्ण)

से पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एफ० एस०-II, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

उनकी सेवाएं दिल्ली पुलिस को वापस सौंप दी गई हैं।

पी० एस० निगम
प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना)
के० अ० ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० 2/14/76-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री एस० पी० साहनी, सहायक अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को 3 जनवरी, 1977 से आगामी आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

श्रीनिवास
अवर सचिव
हुते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० ओ० II-1032/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्सनामाई नायक को, 6-1-77 के पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 17 जनवरी 1977

सं० ओ० II-1048/76-स्थापना—डा० चौधरी केशोरोध चन्द्रा दाम, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, 28 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, का त्याग पत्र मंजूर किये जाने के कारण, उन्होंने अपने पद का कार्यभार 25-12-76 के अपराह्न में छोड़ दिया।

सं० ओ० II-1049/76-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल ने डाक्टर श्रीमती पी० सीतारत्नम को, 28-12-76 के पूर्वाह्न केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 18 जनवरी 1977

सं० ओ० II-18/77-स्था०—राष्ट्रपति, श्री के० एस० बाजपाई, मध्य प्रदेश मन्त्रालय के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप-महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बाजपाई ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के उप महा-निरीक्षक, नीमच के पद का कार्यभार दिनांक 1 जनवरी 1977 के पूर्वाह्न से संभाला।

सं० ओ० II-904/71-स्थापना—आई० टी० बी० पी० द्वारा उनकी सेवाएं के० रि० पु० दल को अर्पित करने के फलस्वरूप श्री पी० के० शर्मा को उप-पुलिस अधीक्षक (कम्पनी-कमांडर) 39 बाहिनी, के० रि० पुलिस दल, भुवनेश्वर, के पद पर 6-1-1977 पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

संख्या पी० सात-2/76-स्थापना—श्री एम० आर० लखेरा, आफिस सुपरइन्टेंडेंट, के० रि० पु० दल को उसकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक, महा-निदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किए जाता है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 नवम्बर 1976

सं० ई-29020/4/76-सा० प्रशा० II—ए० जी०, सी० डब्ल्यू० और एम०, नई दिल्ली के कार्यालय के लेखा अधिकारी श्री एच० एल० साम, जो इस समय दिनांक 11-9-72 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० में प्रतिनियुक्ति पर थे, को दिनांक 20 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० में मूल रूप से लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

ली० सि० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 19 जनवरी 1977

सं० 5/3/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार तथा पदेन जनगणना के आयुक्त के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र), डा० आर० आर० त्रिपाठी को उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 6 महीने के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय में, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर, मानचित्र अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डा० त्रिपाठी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० 5/3/76-आर० जी० (प्रशा० I)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार तथा पदेन जनगणना आयुक्त के कार्यालय में मानचित्र अधिकारी, डा० बी० के० रोय को, उनके कार्यभार ग्रहण की तारीख से 6 महीने की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक,

जो भी पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी आधार पर सहायक महापंजीकार (मानचित्र), के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

डा० रौय का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा ।

सं० 11/4/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक, श्री आर० एन० पोंगुरलेकर को, तारीख 10 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से तारीख 8 अप्रैल, 1977 की अपराह्न तक या अगले अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, गुजरात में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी आधार पर, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

श्री पोंगुरलेकर का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा ।

सं० 11/10/76-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, गुजरात में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री एम० एल० शर्मा को तारीख 10 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से तारीख 8 अप्रैल, 1977 के अपराह्न तक या अगले आदेशों तक, जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं ।

श्री शर्मा का मुख्यालय अहमदाबाद में होगा ।

बद्री नाथ

भारत के उपमहापंजीकार और
पदेन उप सचिव

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड़, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० 1535/ए—दिनांक 8-10-76 के क्रम में श्री एस० टी० पवार को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर चलर्य पत्र मुद्रणालय में नियुक्त करते हैं ।

ना० राममूर्ति,
ज्येष्ठ उप महाप्रबंधक

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश

खालियर, दिनांक 13 दिसम्बर 1976

क्र० प्रशासन एक/554—महालेखाकार प्रथम, मध्यप्रदेश, द्वारा निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के रूप में उनके नाम के आगे दर्शाई गई तारीख से नियुक्त किया है ।

सर्वश्री

1. श्री के० एम० एल० अग्रवाल (02/0213) दिनांक 22-9-76 पूर्वाह्न ।

2. श्री एम० जी० ह्यारण (02/0214) दिनांक 5-10-76 अपराह्न ।

3. एस० पी० एम० अहलुवालिया (02/0215) दिनांक 5-10-76 अपराह्न ।

कृष्ण गोपाल,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, आंध्र प्रदेश
खालियर, नाँक

सं० ई० बी० आई/8-132/7677/390—कार्यालय महालेखाकार आन्ध्रप्रदेश के लेखाकार अधिकारी श्री बी० बी० रामाकृष्णा राव दिनांक 31 दिसम्बर 1976 (अप्राह्न) से सेवा-नियुक्त हुए ।

एस० मुखर्जी,
मुख्य उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात

अहमदाबाद, दिनांक 15 जनवरी 1977

महालेखाकार गुजरात ने आधिन लेखा-सेवा के निम्नलिखित स्थायी सदस्यों का उनकी नामावली के सामने दर्शाये दिनांक से अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है ।

सर्वश्री

- (1) पी० ए० के० राजा को दिनांक 1-11-1976 के पूर्वाह्न से ।
- (2) एन० के० पारेख को दिनांक 29-11-1976 के पूर्वाह्न से ।
- (3) एन० जी० बीडीकर को दिनांक 6-12-1976 के मध्याह्न से ।
- (4) बी० एस० जोश को दिनांक 6-12-1976 के मध्याह्न से ।
- (5) ए० एस० बी० शर्मा को दिनांक 27-12-1976 के पूर्वाह्न से ।
- (6) एच० सी० पारेख को दिनांक 29-12-1976 के पूर्वाह्न से ।
- (7) के० यू० जोशीपुरा को दिनांक 31-12-1976 के पूर्वाह्न से ।

के० एच० छाया,
उपमहालेखाकार (प्रशासन)
महालेखाकार, गुजरात

मुख्य लेखानियंत्रक का कार्यालय

पूर्ति विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० ए-24013/76-77/मु० का०/प्रशासन (समन्वय)/
2282—मुख्य लेखा नियन्त्रक पूर्ति विभाग, नई दिल्ली कार्यालय

के स्थायी लेखा अधिकारी श्री शम्भूदयाल माथुर का दिनांक 31-12-76 को निधन हो गया है।

पी० पी० गंगाधरन,
मुख्य लेखा नियन्त्रक

रक्षा मंत्रालय

महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता-700069, दिनांक 6 जनवरी 1977

सं० 2/77/जी—आर्थिक निवृत्ति आयु प्राप्त होने पर, श्री महिमा रंजन घोषाल, मौलिक एवं स्थायी सहायक स्टाफ अधिकारी दिनांक 31-12-1976 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
सहायक महानिदेशक प्रशासन-II
रुक्ते महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

श्रम मंत्रालय

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

धनबाद, दिनांक 11 जनवरी 1977

सं० पी० 8(5)67—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (बी) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग कर, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद् द्वारा महा प्रबंधक, क्षेत्र सं० 8 पूर्वीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड, पोस्ट-मुगमा, जिला धनबाद को श्री के० पी० सिंह तत्कालीन क्षेत्रीय महा प्रबंधक, क्षेत्र सं० 5 भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, मोरा के स्थान पर झरिया एवं मुगमा कोयला क्षेत्र उप-समिति का सदस्य नियुक्त करती है जिसका गठन अधिसूचना सं० पी० 8(5)67 दिनांक 28-11-1973 में उल्लिखित है तथा उक्त अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

“क्रम संख्या 4—श्री के० पी० सिंह, क्षेत्रीय महाप्रबंधक, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, क्षेत्र सं० 5, भौरा, पोस्ट भौरा, जिला धनबाद” के स्थान पर “क्रम संख्या-4 महा प्रबंधक, क्षेत्र सं० 8 पूर्वीय कोयला क्षेत्र लिमिटेड, पोस्ट-मुगमा, जिला धनबाद” प्रतिस्थापित किया जाए।

दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० एस० आर० ओ० पी० 8(3)75—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (बी) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग कर तथा इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या पी० 8(7)67 दिनांक 12-1-1973 का

अधिक्रमण कर, जैसा कि समय-समय पर संशोधित होता रहा है, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति ने अपने ता० 14-10-1976 की बैठक में आसाम कोयला क्षेत्र उप-समिति का गठन किया, जिसके सदस्य निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

1. श्रम आयुक्त

पदेन अध्यक्ष

आसाम, भुवन चन्द्र रोड,
उजन बाजार, गौहाटी,
आसाम।

2. महाप्रबंधक,

कोल इंडिया लिमिटेड,
उत्तर पूर्व कोयला क्षेत्र लिमिटेड
पोस्ट-मार्चेरिटा
जिला-डिब्रूगढ़
आसाम।

3. उप-क्षेत्रीय प्रबंधक,

कोल इंडिया लिमिटेड,
उत्तर पूर्व कोयला क्षेत्र लिमिटेड,
पोस्ट-मार्चेरिटा
जिला डिब्रूगढ़,
आसाम।

नियोक्ता प्रतिनिधि

4. अधीक्षक-अभियन्ता (सिविल)

नियोक्ता प्रतिनिधि

कोल इंडिया लिमिटेड,
उत्तर पूर्व कोयला क्षेत्र लिमिटेड
पोस्ट मार्चेरिटा,
जिला डिब्रूगढ़,
आसाम।

5. श्री बरिन चौधरी,

ताम्बुलबाड़ी,
पोस्ट-तिनसुखिया,
जिला-डिब्रूगढ़, आसाम।

6. श्री भूतेश्वर कोंगर

महा सचिव
आसाम कोयलियरी मजदूर कांग्रेस,
पोस्ट-बारागोलाई,
जिला-डिब्रूगढ़, आसाम।

कर्मचारी प्रतिनिधि

7. श्री जतिन्द्र नाथ सैकिया,

सचिव, आसाम
कोयलियरी मजदूर कांग्रेस,
पोस्ट-बारागोलाई,
जिला-डिब्रूगढ़
आसाम।

8. सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)

सहयोजित

गौहाटी, आसाम

एस० आर० ओ० पी० संख्या-पी० 8(4)75—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (बी) में दिए गए अधिकारों का प्रयोग कर तथा इस कार्यालय

श्री अधिसूचना संख्या पी० 8(11) 67 दिनांक 12-1-1973 का अधिक्रमण कर, जैसाकि समय-समय पर संशोधित होता रहा है, कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति ने अपने ता० 14-10-76 की बैठक में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र तथा राजस्थान कोयला क्षेत्र उप-समिति का गठन किया, जिसके सदस्य निम्नलिखित व्यक्ति होंगे :—

1. श्रम आयुक्त, मध्य प्रदेश
इंदौर ।

पदेन अध्यक्ष

2. उपायुक्त, नागपुर

सदस्य

3. श्रम आयुक्त राजस्थान,
जयपुर ।

”

4. महा प्रबंधक (समन्वय)
पश्चिमी कोयला क्षेत्र लिमिटेड
सी० आई० सी० क्षेत्र,
नेहरू नगर, विलास पुर,
मध्य प्रदेश ।

नियोक्ता प्रतिनिधि

5. महा प्रबंधक (समन्वय)
पश्चिमी कोयला क्षेत्र लिमिटेड
विसेसर हाउस, टेम्पुल रोड,
नागपुर ।

6. उप-मुख्य अभियंता (सिविल)
पश्चिमी कोयला क्षेत्र लिमिटेड
रामदास पथ, नागपुर ।

7. श्री जी० एम० खोडे
कार्यकारी अध्यक्ष
एम० पी० राष्ट्रीय
कोयला खदान कामगार संघ
वार्ड सं० 29 इटवारी
नागपुर, एम एस० ।

कर्मचारी प्रतिनिधि

8. श्री भागवत कुवे
उप-महा सचिव,
एम० पी० कोलियरी
कर्मचारी महासंघ
पोस्ट चिरीमिरी
जिला-सरगुजा, एम० पी० ।

9. डा० पी० के० बनर्जी,
सचिव, पेंथ कन्वैन,
एस० के० एम० एस० (ए० आई०
टी० यू० सी०)
गुरुजी की शाखा,
पोस्ट-पाला चौउरी
जिला—छिन्दवाड़ा, एम० पी० ।

10. श्री के० सी० दास पुरी,
सी० एम० ई०,
मैसर्स जम्मू एण्ड कश्मीर
मिल्स लिमिटेड,
33-बी/सी० गांधीनगर, जम्मू

विशेष रूप से आमंत्रित

रा० प्र० सिंह,
कोयला खान कल्याण आयुक्त

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य-नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी, 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण

(स्थापना)

सं० : 6/1166/77-प्रशासन (राज०) 389—राष्ट्रपति,
श्री एम० एल० बस्सी, जो केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा
के स्थायी वर्ग 'सी' में एक आशुलिपिक हैं को मुख्य नियंत्रक, आयात-
निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में 9-12-76 (दोपहर पूर्व) से
और 30 अप्रैल, 1977 तक या जब तक नियमित आधार पर पद
नहीं भरा जाता है, इनमें जो भी पहले हो के लिए उसी सेवा के
आशुलिपिक वर्ग 'बी' के रूप में नियुक्त करते हैं ।

ए० एस० गिल
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० ई०-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-II
(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में वर्ग 3 प्रभाग 1 के अधीन
प्रविष्टि “अल्फरजेक्स और अल्फाप्रुफ” के बाद म आए हुए शब्द
और संख्या “उत्पादन और निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 30 सितम्बर
1976 तक” को निकास दिये जायेंगे ।

हंगुव नरसिंह भूति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी, 1977

सं० प्र०-1/1(287)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
में स्थायी निदेशक श्री पी० के० चटर्जी दिनांक 31 दिसम्बर, 1976
के अपराह्न से निवृत्तमान आयु (58) वर्ष होने पर सरकारी सेवा
से निवृत्त हो गये ।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
हृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन-I अनुभाग

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1977

सं० प्र०-1/1(1008)—श्री सी० डिसूजा, स्थायी अधीक्षक और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड II) निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जनवरी 1977

सं० ए०-17011(57)/73-प्र०-6—निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री बी० एस० पाल को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा वस्त्र आयुक्त, बम्बई कार्यालय में, उप निदेशक (पी० एण्ड डी०) के पद के लिये चुने जाने पर उन्हें दिनांक 27 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से कार्यमुक्त किया जाता है। उन्होंने दिनांक 27-12-76 के अपराह्न को कानपुर से निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का पदभार छोड़ दिया।

सूर्य प्रकाश
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० ए-19011(143)/76-स्था० ए०—श्री ह्मी० ए० तोतरे, कनिष्ठ खान भूविज्ञानी भारतीय खान ब्यूरो ने भर्गव सर्वेक्षण विभाग में (जिआल्जिस्ट) भूविज्ञानी (वरिष्ठ) के रूप में परावर्तन (रिव्हर्सन) दिनांक 4 दिसम्बर, 1976 को अपराह्न के बाद से कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर त्याग दिया है। उनका नाम इस विभाग से हटा दिया है।

एल० सी० रणधीर
कार्यालय अध्यक्ष

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 10 जनवरी, 1977

सं० 92-119/76-स्थापना/424—भारतीय प्राणि सर्वेक्षण के श्री बादल चन्द्र दास प्राणि विज्ञान सहायक, को इसी विभाग में 6 जनवरी, 1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक, अस्थायी

आधार पर सहायक प्राणि वैज्ञानिक (ग्रुप 'बी' 650 रुपए—1200 रुपए के वेतनमान में) के पद पर नियुक्त किया जा रहा है।

डा० स० खेरा
संयुक्त निदेशक प्रभारी
भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० ए-12026/1/77 प्र०—निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री सी० बी० गुप्ता, सहायक व्यापार व्यवस्थापक के 10-1-77 से 48 दिन के अवकाश पर रहने की अवधि में श्री एस० सी० जैन अस्थायी व्यापार कार्यकारी को तदर्थ रूप में बिल्कुल अस्थायी तौर पर सहायक व्यापार व्यवस्थापक के पद पर नियुक्त करते हैं।

इस तदर्थ नियुक्ति के श्री जैन को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के नियमित पद पर दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा। श्री जैन की यह सेवा स०व्या०व्य० के ग्रेड की वरिष्ठता के लिये भी नहीं गिनी जाएगी।

इन्द्र राज सिंह,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-1, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० ए- 20012/4/69 प्र०-I—इस विभाग की अधि-सूचना संख्या ए० 20012/4/69 प्र० 1 दिनांक 3-11-76 के क्रम में निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री बी० सी० मण्डल को तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप में आर्टिस्ट के पद पर बने रहने की अनुमति प्रदान करते हैं जिसका ब्यौरा इस प्रकार है :—

क्र० सं०	अवकाश रिक्ति	दिनांक जब से मंडल आर्टिस्ट के पद पर कार्य करेंगे
1.	श्री बी० डी० शर्मा, आर्टिस्ट को 1-1-77 से 4-1-77 तक अवकाश बढ़ाने की अनुमति प्रदान की गई।	1-1-77 से 4-1-77
2.	श्री पी० के० सेतुगुप्त, आर्टिस्ट को 5-1-77 से 19-2-77 तक 46 दिन का अवकाश प्रदान किया गया।	5-1-77 से 19-2-77

इस तदर्थ नियुक्ति से श्री मण्डल को आर्टिस्ट के ग्रेड के नियमित पद पर दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

इन्द्रराज सिंह
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक

फिल्म विभाग

बम्बई-26, दिनांक 11 जनवरी, 1977

सं० 2/2/63-सिब्वन्दी-I—श्री जे० आर० हल्डर स्थायी शाखा प्रबन्धक फिल्म प्रभाग नागपुर, अपने पद संभालने के कारण श्री पी० ल्ही० राव स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक दिनांक 14-12-76 के पूर्वाह्न से विज्ञेता के पद पर फिल्म प्रभाग नागपुर में प्रत्यावर्तित माने जायेंगे।

एम० के० जैन
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी, 1977

सं० ए० 12025/25/76 (जिप०)—प्रशासन-I—राष्ट्र-पति ने श्री टी० के० भट्टाचार्य को 8 अक्टूबर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में स्थानापन्न आधार पर फार्मा-कोलोजी के प्राध्यापक के पद पर नियुक्त कर दिया है।

शाम लाल कुठियाला
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० 20/1/(26)/75 के० सं० स्वा०यो०-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० एन० दत्त बस्त्रा को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के अधीन दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर 15 दिसम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से अस्थायी आधार पर नियुक्त कर दिया है।

सं० ए० 39013/7/76-के०सं०स्वा०यो०-I—अपना त्याग-पत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० (श्रीमती) रीता मन्होत्रा कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली ने 29 नवम्बर, 1976 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 39013/7/76के० सं० स्वा०यो०-भाग-I—डा० आर० एन० बन्सल, कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) के त्याग-पत्र के मंजूर हो जाने के फलस्वरूप उन्होंने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार 18 अक्टूबर, 1976 अपराह्न को छोड़ दिया।

राजकुमार जिन्दल
उप निदेशक प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक जनवरी, 1977

सं० बी०/620/लेखा/स्थापना VII-18 दिसम्बर, 1976 की अधिसूचना सं० बी०/620/लेखा/ई०जी० में 2471 के क्रम में बी० ए०आर०सी० के नियंत्रक एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री शंकर विष्णु भावे को छुट्टी रिक्त स्थान पर 20 नवम्बर, 1976 से 31 जनवरी, 1977 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 7 दिसम्बर, 1976

सं० एन०ए०पी०पी०/प्रशा०/4(40)/76-एस०-9864—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना के स्थानापन्न सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री बी० पी० सिंह को 8 नवम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से 10 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न तक उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उस परियोजना के सुरक्षा अधिकारी श्री पी० एस० घेवर्गीस, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर की गई है।

आर० के० बाली,
प्रशासन-अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई, 400001, दिनांक 15 दिसम्बर, 1976

सं० डी०पी०एस०/ए/12024/4/76/स्था०/17672—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा क्रय एवं भंडार निदेशालय के अस्थायी सहायक लेखापाल श्री धेक्केवीडु मथाई एलकजेंडर को, उनका चुनाव परमाणु ऊर्जा विभाग के संवर्ग प्राधिकरण द्वारा लेखा अधिकारी के पद के लिए कर लिया जाने तथा उन्हें क्रय एवं भंडार निदेशालय में तैनात किया जाने पर, 19 नवम्बर 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इसी निदेशालय में रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 दिसम्बर, 1976

सं० डी०पी०एस०/ए/12024/5/76/स्थापना/18140—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय में नियुक्त स्थायी लेखापाल श्रीमती बी० शकुन्तला को, उनके लेखा-अधिकारी-II के पद पर नियुक्ति के लिए संवर्ग प्राधिकारी

द्वारा चुने जाने तथा क्रय एवं भंडार निदेशालय में पद-स्थापित किये जाने पर, 12 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए उसी निदेशालय में रुपये 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

2. इस निदेशालय की दिनांक 8 जून, 1976 की अधिसूचना सं० डी०पी० एस०/ए/11013/65/76/स्थापना/7650 द्वारा अधिसूचित श्रीमती शकुन्तला की लेखा अधिकारी-II के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति 11 जुलाई 1976 (अपराह्न) तक रहेगी।

वी० पी० चोपड़ा
प्रशासन-अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 13 जनवरी, 1977

आदेश

सं० ना०ई०स०/प्रशा०-5/20/बी०-39/230—जबकि आरोपित है कि—

श्री जी० विजय कुमार कारीगर 'बी' जेड. एक० पी० ना०ई०स० के रूप में कार्य करते हुए सेवा से बना अनुमति के बारम्बार अनुपस्थित रहते हैं। वे 1972 में 6 अवसरों, 1973 में 2 अवसरों, 1974 में 9 अवसरों, 1975 में 16 अवसरों तथा 1976 में अब तक 2 अवसरों पर अनुपस्थित रहे हैं। उक्त श्री जी० विजय कुमार 26-2-1976 सेवा से बिना किसी अनुमति/सूचना के अनुपस्थित रहकर काम को अव्यवस्थित कर रहे हैं। इस प्रकार उन्होंने ना०ई०स० के स्थायी आदेशों के पैरा 39(5) का उल्लंघन किया है।

और जबकि उक्त श्री विजय कुमार को उनके विरुद्ध आरोप तथा जांच आयोजित करने के प्रस्ताव की सूचना एक ज्ञापन जिसकी संख्या ना० ई० स०/प्रशा०-5/20/1696 दिनांक 24-7-76 थी उक्त श्री विजय कुमार के हैदराबाद के अंतिम ज्ञात पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा पाबती सहित भेजा गया था।

और जबकि वे सभी पत्र, जो श्री विजय कुमार को भेजे गए थे डाक कार्यालय द्वारा टिप्पणी "आसामी उपलब्ध नहीं" के साथ वापिस लौटा दिए थे।

और जबकि ऊपर बताई गई परिस्थितियों में, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट हुए कि ना०ई०स० के स्थायी आदेशों में निहित तरीके के जांच आयोजित करना व्यावहारिक व कालोचित रूप से युक्तिपूर्ण नहीं है,

और जबकि निम्न हस्ताक्षरकर्ता इससे संतुष्ट हैं कि उक्त श्री विजय कुमार ने बगैर किसी अनुमति या सूचना के इतनी लम्बी अवधि तक अनुपस्थित रहकर बुरी हरकत की है, और इसीलिए, वे सेवा में रहने लायक नहीं हैं,

अब, इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता उक्त आदेशों के पैरा 41.2 तथा पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश संख्या 28(1)/68 प्रशा० दिनांक 3-12-1970, के अन्तर्गत दिये हुए अधिकारों का प्रयोग करते हुये इसके द्वारा उक्त श्री विजय कुमार को तत्काल प्रभाव से, सेवा से अलग करने हैं।

आदेश

सं० ना०ई०स०/प्रशा० 5/20/आर०-304/231—

जबकि आरोपित है कि

श्री वी० रामानुज राव, कारीगर 'ए' सी०एफ०एफ०पी० के रूप में कार्य करते समय बिना किसी पूर्व सूचना के सेवा से बारम्बार अनुपस्थित रहते हैं तथा काम को अव्यवस्थित कर रहे हैं। वे 1975 में 1 अवसर, 1974 में 6 अवसरों, 1975 में 7 अवसरों, तथा 1976 में अब तक 4 अवसरों पर अनुपस्थित रहे हैं। उक्त श्री रामानुज राव 1-6-76 से अनधिकृत रूप से सेवा से अनुपस्थित हैं और काम को अव्यवस्थित कर रहे हैं। इस प्रकार उक्त श्री रामानुज राव ने ना०ई०स० के स्थायी आदेशों के पैरा 39(5) का उल्लंघन किया है।

और जबकि उक्त श्री रामानुज राव को उनके विरुद्ध आरोप तथा जांच आयोजित करने के प्रस्ताव की सूचना एक ज्ञापन जिसकी संख्या ना०ई०स०/प्रशा०-5/20/आर०-304/1924 दिनांक 31-8-1976 थी, उक्त श्री रामानुज राव के हैदराबाद के अंतिम ज्ञात पते पर रजिस्टर्ड डाक द्वारा पाबती सहित भेजा गया था।

और जबकि श्री रामानुज राव ने आरोप को कुछ स्वीकार करते हुए 8-9-1976 को अपने बचाव का बयान दाखिल किया।

और जबकि एक जांच अधिकारी को जांच आयोजित करने के लिए नियुक्त किया गया जैसाकि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के स्थायी आदेशों (इसके बाद जिन्हें उक्त आदेश कहा जाएगा) के पैरा 41.2 के अधीन आवश्यक है।

और जबकि जांच अधिकारी जांच कार्यवाही आयोजित नहीं कर सके क्योंकि जो पत्र उक्त श्री रामानुज राव के गृह निवास के टाऊन व साथ में स्थानीय पते पर भेजे गए थे, वे डाक कार्यालय द्वारा टिप्पणी "आसामी उपलब्ध नहीं" के साथ वापिस लौटा दिये गए।

और जबकि ऐसी परिस्थितियों में, निम्न हस्ताक्षरकर्ता इस तथ्य से संतुष्ट हुए कि उक्त आदेशों में निहित तरीके से जांच आयोजित करना व्यावहारिक व कारोचित रूप से युक्तिपूर्ण नहीं है।

और जबकि निम्न हस्ताक्षरकर्ता इस तथ्य से संतुष्ट हैं कि उक्त श्री रामानुज राव ने, बिना किसी अनुमति या सूचना के इतनी लम्बी अवधि तक अनुपस्थित रहकर बुरी हरकत की है, और इसीलिए, वे सेवा में रहने लायक नहीं हैं।

अब इसीलिए, निम्न हस्ताक्षरकर्ता उक्त आदेशों के पैरा 41.2 तथा पैरा 42 के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश संख्या 28(1)/68-प्रशा० दिनांक 3-12-1970 के अन्तर्गत दिये हुये अधिकारों का प्रयोग करते हुये इसके द्वारा उक्त श्री रामानुज राव को तत्काल प्रभाव से, सेवा से अलग करते हैं।

हरिश्चन्द्र कटियार

उप-मुख्य कार्यपालक

दिनांक जनवरी 1977

(परमाणु खनिज प्रभाग)

सं० पी०ए०आर०/1704/56—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन समिश्च, स्थानापन्न उच्च श्रेणी लिपिक श्रीमती जानकी एन० भरतन को 30-11-1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक के लिए नाभिकीय ईंधन समिश्च, हैदराबाद में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

यू० वासुदेव राव, प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना

कोटा, दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० राप विप/भर्ती/3(12)/77/482—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक श्री पी० वी० सुन्दरराजन को, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में दिनांक 10 जनवरी, 1977 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह

प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्कम 603102, दिनांक 15 दिसम्बर 1976

सं० 5(23)/76-भर्ती—विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, स्थायी उप-अधिकारी (अग्नि) श्री सोले रायप्पा को 15 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इस परियोजना में अस्थायी रूप से स्टेशन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 दिसम्बर 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/23(2)/75-स्थापना—श्री एस० अनन्तन, अस्थायी लागत लेखा अधिकारी को 19 अक्टूबर, 1976 से 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में लेखा अधिकारी-II का पदनाम दिया जाता है।

(के० बालाकृष्णन)

प्रशासन-अधिकारी

कलपक्कम-603102, दिनांक 29 दिसम्बर 1976

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1168)/76-प्रशा०—दक्षिण केन्द्रीय रेलवे के स्थायी अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री डी० कृष्णमूर्ति को 16 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए इसी परियोजना में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया।

के० बालाकृष्णन,

प्रशासन-अधिकारी

कृते निदेशक, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

2-446GI/76

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 जनवरी 1977

संख्या ए०एम०डी०/1/24/76-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, नाभिकीय ईंधन समिश्च के एक स्थायी वरिष्ठ आणुलिपिक श्री के० एस० अशोकन को परमाणु खनिज प्रभाग में 28 दिसम्बर, 1976 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 5 जनवरी 1977

सं० आर० आर० सी-II-84(14)/75/120—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी० श्री सूर्यनारायण शर्मा पंचपक्केन को उनका तबादला टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान, बम्बई से रिएक्टर केन्द्र में स्थायी तौर पर होने पर 10 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए उस केन्द्र में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/एस० बी० नियुक्त करते हैं।

आर० पार्थसारथि

मुख्य प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 14 जनवरी 1977

संख्या ई०(I)07061—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र मद्रास के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० रंगराजन को 13-12-76 के पूर्वाह्न से 1 10-2-77 तक साठ दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० रंगराजन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

संख्या ई० (I)04281—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम विज्ञान केन्द्र, बम्बई में व्यावसायिक सहायक श्री एस० वी० पुंडले को 15-12-76 के पूर्वाह्न से 31-1-77 तक अड़तालीस दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० वी० पुंडले, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञान निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

संख्या ई०(1) 04260—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, बम्बई के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री टी० एम० साम्बामूर्ति को 15-12-76 के पूर्वाह्न से 31-1-77 तक अड़तालीस दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री टी० एम० साम्बामूर्ति स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र बम्बई के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० भणियन,
मौसम विज्ञानी,
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 दिसम्बर 1976

सं० ए०-32013/6/76-ई०एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी० आर० शर्मा, स्थायी वरिष्ठ विमान निरीक्षक को 2 जुलाई, 1976 से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा पद को संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधे र्ती द्वारा नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बिल्कुल तदर्थ आधार पर उपनिदेशक (विमान-सुरक्षा) के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन,
सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० ए०-32014/3/75-ई०ए०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 मार्च, 1977 तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो बड़ा दी है :—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
1.	श्री डी० के० गुहा	दमदम
2.	श्री सरूप सिंह	पालम
3.	श्री सुरिन्दर सिंह	सांताक्रुज
4.	श्री जे० एस० सेठी	सांताक्रुज
5.	श्री एन० जी० गिदवानी	पालम
6.	श्री एन० बी० घनपाथ	मद्रास
7.	श्री डी० आर० मलिक	जयपुर
8.	श्री एस० एम० कौशल	रायपुर
9.	श्री एस० टी० धामस	मद्रास
10.	श्री सी० पी० बरदराजन	मद्रास
11.	श्री पी० पी० जी० नायर	विशाखापटनम
12.	श्री एम० के० बनर्जी	दमदम

1	2	3
13.	श्री एम० गोविन्दराजन	तिरुचिरापल्ली
14.	श्री ए० सी० रायजादा	मफदरजंग
15.	श्री स्वतन्त्र लाल	जम्मू
16.	श्री एस० के० सेन	दमदम
17.	श्री के० के० एन० पिल्लै	कोचीन
18.	श्री डी० पी० मजूमदार	दमदम
19.	श्री एस० इब्राहीम	मद्रास
20.	श्री ए० बी० दत्ता	दमदम
21.	श्री एल० पी० सिन्हा	मुजफ्फरपुर
22.	श्री के० सी० चंदवानी	अहमदाबाद
23.	श्री ओ० पी० भटनागर	पालम
24.	श्री जे० के० मिश्र	वाराणसी
25.	श्री एस० बसू मलिक	दमदम
26.	श्री जी० एस० राजमणि	मद्रास
27.	श्री मनवीर सिंह	लखनऊ
28.	श्री जगजीत सिंह	मफदरजंग
29.	श्री के० सी० कार	पटना
30.	श्री जे० एम० टीकमदास	मफदरजंग
31.	श्री ए० के० राय	सुलीहल
32.	श्री अमर शर्मा	मोहनबोरी
33.	श्री पी० बी० माथुर	जुहू
34.	श्री एल० बी० बोरा	दमदम
35.	श्री एच० एस० साधू	अमृतसर
36.	श्री के० एम० हरिवर	सांताक्रुज
37.	श्री के० सी० झरिया	जुहू
38.	श्री सी० बी० जोसेफ	तिरुपति

विश्वविनोद जौहरी
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० ए०-39012/1/74-ई०सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, मफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री टी० एस० प्रकाश, तकनीकी अधिकारी का 1-1-1975 (पूर्वाह्न) से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० ए०-32014/1/76-ई०सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने बैमानिक संचार स्टेशन, त्रिवेन्द्रम के श्री के० संताना-गोपालन, संचार सहायक को 9-12-76 (पूर्वाह्न) से तथा अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें बैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में नियुक्त किया है।

सुरजीतलाल खंडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 15 जनवरी 1977

सं० 1/411/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा वि०सं०से०, बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री जे० एम० डीसिल्वा को अपकालीन खाली जगह पर 11-5-76 से 10-7-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/411/76-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा वि०सं०से०, बम्बई के शाखा के पर्यवेक्षक श्री जे० एम० डीसिल्वा को अपकालीन खाली जगह पर 20-10-76 से 18-11-76 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उस परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एम० एस० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
कृते महानिदेशक

रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1977

सं० 76/ई०बी०/1504—एतद्वारा सामान्य सूचना के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि 1-10-76 से 572 किलोमीटर से 578 किलोमीटर तक रायनापाडु स्टेशन और याई सहित खंड को दक्षिण मध्य रेलवे के सिकन्दराबाद मंडल के अधिकार क्षेत्र से उस रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में अंतरित किया गया है।

यह समायोजन इस क्षेत्र की परिचालनिक कुशलता में सुधार के लिए रेल प्रशासन के दिन-प्रति-दिन के कार्य के हित में किया गया है।

बी० मोहनती
सचिव, रेलवे बोर्ड
एवं भारत सरकार के पवेन संयुक्त सचिव

उत्तर रेलवे, प्रधान कार्यालय, बडौदा हाऊस

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1976

अधिसूचना संख्या 18—श्री प्राणनाथ कर्मशाला विद्युत अभियन्ता अमृतसर 31-8-76 अपराह्न को अन्तिम रूप से रेलवे सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सतीश चन्द्र मिश्रा
महाप्रबंधक

पू० सी० रेलवे

महाप्रबंधक का कार्यालय (कार्मिक शाखा)

पांडु, दिनांक 13 जनवरी 1977

सं० ई०/55/111/93(0)—सिगनल और दूर-संचार इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में श्री के० के० गुप्त, स्थानापन्न

उप मुख्य सिगनल और दूर-संचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, को इस रेलवे पर प्रवर वेतनमान में 24 दिसम्बर, 1970 से स्थायी किया जाता है।

जी० एच० केसवानी
महाप्रबंधक

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इरबी एजंसीज प्राइवेट लिमिटेड विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1977

अधिसूचना सं० 2207—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर रबी एजंसीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शाते न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

मनमोहन सिंह जैन
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली।

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-3

दिनांक 29/30 दिसम्बर 1976

सं० जुरि-दिल्ली/सी० आई० टी०/हैडक्वार्टर-3/12516—इस कार्यालय की दिनांक 28 दिसम्बर, 1973 का अधिसूचना संख्या जुरि-दिल्ली/रेंज-11/73-74/8168 का अधिक्रमण करते हुए तथा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई सारणी कालम-2 में जिन आयकर अधिकारियों के वर्तमान पदनाम का उल्लेख किया गया है, उन्हें उक्त सारणी के कालम -3 में किए गए उल्लेख के अनुसार पुनः पदनामित किया जायेगा:—

सारणी

क्रम सं०	आयकर अधिकारियों के वर्तमान पदनाम	आयकर अधिकारियों के नए पदनाम
1.	आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्किल-11, नई दिल्ली।	आयकर अधिकारी, डि०-10 (3) नई दिल्ली।
1	2	3
2.	आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्किल-12, नई दिल्ली।	आयकर अधिकारी, डि०-10 (11) नई दिल्ली।
3.	आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्किल-13 नई दिल्ली।	आयकर अधिकारी, डि०-8 नई (दिल्ली)।

यह आदेश 3 जनवरी 1977 से लागू होगा।

ए० सी० जैन
आयकर आयुक्त, दिल्ली-3

दिनांक 6 जनवरी 1977

आयकर

सं० सी० आई० टी०/हेडक्वार्टर-3/जूरि०/76-77/13993
—इस कार्यालय की दिनांक 19/22 मई, 1976 तथा 29
दिसम्बर, 1976 की अधिसूचना क्रमशः एफ० सं० सी० आई०
टी०/हेडक्वार्टर-3/जूरि०/76-77/7288 तथा एफ० सं० सी०
आई० टी०/हेडक्वार्टर-3/जूरि०/76-77/12516 में आंशिक
परिवर्तन करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43वां) की धारा 123 की उपधारा(1) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का
प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-3, नई दिल्ली निदेश
देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-1 में निर्दिष्ट निरीक्षीय
सहायक आयकर आयुक्त उक्त अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट
डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों आयकर अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र
में आने वाले क्षेत्रों, व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या
आय के वर्गों, मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में उक्त अधि-
नियम के अन्तर्गत निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त के सभी
कार्य करेंगे:—

रेंज	आयकर डिस्ट्रिक्ट/सर्किल
आई० ए० सी० रेंज-4-ए नई दिल्ली।	1. डिस्ट्रिक्ट-5 सभी वार्ड/सर्किल। 2. अतिरिक्त सर्वे सर्किल-4, नई दिल्ली।

1	2
आई० ए० सी० रेंज-4-बी नई दिल्ली।	1. डिस्ट्रिक्ट-8 सभी वार्ड/सर्किल (डिस्ट्रिक्ट-8 (3) को छोड़कर)
आई० ए० सी०, रेंज-4-सी, नई दिल्ली।	1. डिस्ट्रिक्ट-10(3) तथा 10 (11) को छोड़कर डिस्ट्रिक्ट- 10 के सभी वार्ड/सर्किल। 2. सर्वे सर्किल-4, नई दिल्ली। 3. प्रविडेन्ट फंड सर्किल।
आई० ए० सी० रेंज-4-ई०, नई दिल्ली।	डिस्ट्रिक्ट-8 (3) डि०-10

1

2

नई दिल्ली।

(3), डि-10(11) स्पेशल
सर्किल 6, स्पेशल सर्किल-6
(अतिरिक्त), स्पेशल, सर्किल-10
स्पेशल सर्किल-14, तथा स्पेशल
सर्किल-16 नई दिल्ली।

यह आदेश 7 जनवरी, 1977 से लागू होगा।

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1977

सं० जूरि-दिल्ली/2/76-77/41950—आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उप-
धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त
अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आयकर आयुक्त,
दिल्ली-2, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 10-1-77 से दिल्ली-2
नई दिल्ली प्रभार में निम्नलिखित डिस्ट्रिक्ट/सर्किल फिर से चालू
किए जाएंगे:—

1. कम्पनी सर्किल-22, नई दिल्ली

जगदीश चन्द

आयकर आयुक्त दिल्ली-2

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-5

नई दिल्ली, दिनांक 14 जनवरी 1977

सं० जूरि-दिल्ली/1/76-77/42570—आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43वां) की धारा 123 की उपधारा(1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस सम्बन्ध में प्राप्त अन्य सभी
शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-5,
नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 17-1-77 से निम्नलिखित
आयकर-रेंज बनाया जायेगा:—

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त, दिल्ली रेंज-5-डी,
नई दिल्ली।

एस० डी० मनचन्दा

आयकर आयुक्त, दिल्ली-5

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 जनवरी 1977

निदेश सं० 98/अभिग्रहण/कानपुर/76-77/65—अतः
मुझे एल० एन० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई वित्त काय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री भरत कुमार पुत्र स्व० श्री लक्ष्मी नारायण

(2) श्री श्रवण कुमार पुत्र हीरा लाल साह 111/463,
ब्रह्मनगर कानपुर शहरी।

(अन्तरक)

2. फिरोज श्रमिक को० हा० सावें कि० जूहीगढा 127/
246 कानपुर बाजारिये श्री इद्रसैन मिश्रा पु० पं० यदुनन्दन
मिश्रा निवासी जूही बबुरहिया, कानपुर, सचिव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि भूमिधरी नं० 733, 704, 703,
702, 701, 732, 709 और 710 रकबा 3 बीघा 5
बिस्वसी बाकें ग्राम नौबस्ता परगना ब जि० कानपुर 45,
668-75 रु० मूल्य में हस्ताअन्तरित की गई।

एल० एन० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख . 14-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1977

निवेश सं० 74बी(ए)—अतः मुझे फ० रहमान
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 42/39 है तथा जो मो० सेवा
चौधरी की गली शहर वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-5-76
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गिरधर दास, ग्रीम कुमार, नरोत्तम दास नागर,
जमनादास नागर अतुल नागर, गंगा दास नागर, अनिल नागर,
अश्व नागर अससि नागर, मुकुन्द दास नागर, अस्पेंस
नागर, भगवान दास नागर स्पर्तीस कुमार नागर गुलाब कुंवर
गोपी कुंवर।

(अन्तरक)

2. बल्लभ विद्यापीठ रजिस्टर्ड राजस्थान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 42/39 जो मो० सेवा चौधरी की गली शहर
वाराणसी में स्थित है।

फ० रहमान
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 10-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1977

निवेश सं० 74-बी(बी)/एसीक्यू—यस: मुक्त, ए० एस०
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 42/40 तथा 42/41 है तथा जो
मोहल्ला सेवा चौधरी की गली सन्तीकर भैरोनाथ शहर वाराणसी
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिबारी के कार्यालय वाराणसी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 18-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री गिरधर दास, श्रीस कुमार नागर व नरोत्तम
दास नागर व जमुना दास नागर, अस्तुल नागर, तथा गंगा दास
नागर, अनिल नागर व अशीश नागर, मुकुन्द दास नागर, बल्लभ
दास नागर, भगवान दास नागर, सतीश कुमार नागर श्रीमती
गुलाब कुंवर व गोपी कुंवर ।

(अन्तरक)

2. बल्लभ विद्यापीठ द्वारा श्री भरत नारायण गुप्ता (मंत्री)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 42/40 व 40/41 जो मोहल्ला वा चौधरी
की गली सन्तीकर भैरोनाथ शहर वाराणसी में स्थित है ।

ए० एस० बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 10-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जनवरी 1977

निदेश सं० 111-आर०/एसीक्यू—अतः मुझे, अमर सिंह
बिसेन

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 535 और 536 है तथा जो मोहल्ला
गुलाम अलीपुरा बहराइच में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची
में और पूर्ण से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बहराइच में राजस्वीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. मो० अकमल, श्रीमती हुसैना खातून, श्रीमती रजवाना
खातून, श्रीमती सम्माना खातून।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रसाद, विशर कुमार

(अन्तरिती)

3. विक्केता।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 535 और 536 जो मोहल्ला
गुलाम अलीपुरा जिला बहराइच में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 10 जनवरी 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जनवरी 1977

निदेश सं० 112-आर/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 779 है तथा जो मो० बामन
गांव, गांधी नगर में स्थित है (और इस उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 17-5-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-446GI/76

1. श्री जोगीन्द्र सिंह, प्रीतम सिंह, रतजीत सिंह, अवतार
सिंह रजवन्त कौर, श्रीमती माया देवी, श्रीमती राजेन्द्र कौर,
श्रीमती महन्द्र कौर।

(अन्तरक)

श्री राज फगवाणी, सुरेश कुमार फगवाणी हरीश कुमार
फगवाणी, धर्मन्द्र कुमार फगवाणी।

(अन्तरिती)

3. श्री जोगीन्द्र सिंह उपरोक्त ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 779 जो मो० बामन गांव गांधी नगर
बस्ती में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जनवरी 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/
782—अतः मुझे वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो बैरासिया में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैरासिया में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-5-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम;
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागमल पुत्र श्री नवल भद्र जैन निवासी विदिशा।
(अन्तरक)

2. (1) श्री सीता राम (2) श्री भगवान सिंह दोनों पुत्र
श्री नाथूराम । नैना, निवासी ग्राम बूधोर तह० बैरासिया।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र फल 8.570 हेक्टेयर स्थित ग्राम परासी-
गजर तह० विदिशा।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जनवरी 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल 76-77/783
—अतः, मुझे वी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० कृपि भूमि है, जो बिरला ग्राम नागदा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खामरोव
में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
10-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व;
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भारत कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीस लि० बिरलाग्राम
नागदा, हेड आफिस "सूर्य किरन" 5वीं मंजिल 19, कस्तुरबा
गांधी मार्ग, नई दिल्ली द्वारा श्री के० सी० धानुका हाउस
प्रसिडेंट फाइनेन्स।

(अन्तरक)

2. विश्वालयार रेयान सिल्क, मनुफैक्चरिंग कं० बिरलाग्राम
नागदा परगना खाचारीद जिला उज्जैन द्वारा श्री आई० एच०
पारेख, प्रसिडेंट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि भूमि सर्वे नम्बर 1203/2, 1202, 1207, 1208/1;
1204, 1237, 1205, 1216/2, 1215/2, 1214/2 कुल
28 एकड़ भूमि स्थित बिरलाग्राम नागदा, जिला उज्जैन।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जनवरी 1977

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/76-77/784/—

अतः मुझे, बी० के० सिन्हा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो तिलक विदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विदिशा में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती प्यारी बाई उर्फ राम प्यारी बाई विधवा सोमत सिंह जाति दोंगी निवासी ग्राम तिलक तेह० जिला विदिशा (अन्तरक)

2. श्री केलाश सिंह पुत्र निर्भय सिंह व शिवराज सिंह नाबा० पुत्र निर्भय सिंह दोनों निवासी ग्राम तिलक तेह० विदिशा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 17, रकबा 13.305 हेक्टर, स्थिति ग्राम तिलक तेह० विदिशा ।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 18 जनवरी 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/76-77/
789—अतः मुझे, वी० के० सिन्हा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो भगवान गंज, सागर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
22-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री भगवान दास पुत्र बल्लभ पटेल निवासी भगवानगंज,
सागर।

(अन्तरक)

2. मेसर्स आशा पुरी सामिल्स भोपाल रोड भगवानगंज,
सागर द्वारा श्री धन्ना राम पुत्र मनी राम पटेल भगवानगंज,
सागर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि भोज० नं० 443, प० ह० नं० 78 खसरा
नं० 72/2 जमीन 6230 वर्गफीट, स्थिति भगवानगंज, सागर
(भोपाल रोड) सागर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 18-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 12 जनवरी 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/बंबई(थाना) में 76/314/76-77—

अतः मुझे, वी० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से और जिसकी सं० क्र० 91 हिस्सा नं० 2 (पार्ट) है तथा जो नौपाडा, थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:

1. श्रीमती मोंगी बाई प्रेमजी नारायण बिल्डिंग वी० पी० रोड, बंबई ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जगदीश बिल्डर्स देवदया, विष्णु नगर, नौपाडा, थाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 9000 वर्ग यार्ड्स है । और जो थाना जिला में नौपाडा में सं० क्रमांक 91 हिस्सा नं० 2(पार्ट) में स्थित है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 1426 में दिनांक 5-5-1976 को सब-रजिस्ट्रार, बम्बई के दफ्तर में लिखा है ।)

वी० एस० गायतोंडे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-1-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बंबई

बंबई-400002, दिनांक 15 जनवरी 1977

निदेश सं० आई०-1/1630-8/मई-76—अतः मुझे,
बी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1543 का फोर्ट डिवीजन है तथा जो बैंक बे रिक्लेमेशन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शाबक सोराबजी शबकाश, श्रीमती नरगिश होमी बानाजी, श्रीमती ए० एम० वाई० फिरडोस जहांगीर, श्री जहांगीर पी० प्रबाश। (अन्तरक)
2. दीजाम श्री रनजीत सिंह स्पीनिंग एण्ड विंथिंग मिल्स, कं० लि०। (अन्तरिती)

3. (1) मेसर्स एम० ए० आफिसर गोकले मिलिट्री इस्टेट बी० एण्ड कोलाबा, बंबई-5।

(2) श्री पराजपे, श्री चौधरी पुनानगर ब्रदर्स (1) वेस्टाप, (2) इवलजी (3) होमी श्री एण्ड श्रीमती के० मेहता, श्री एम० पी० लाला, श्रीमती बी० के० एण्ड मिस एम० के० कमिसीरिएट, श्रीमती नरगिश एच० बानाजी, बी० मैनेजर, गौर्वन आफ इंडिया इस्टेट, श्री एण्ड श्रीमती एक० डी० जहांगीर कम्पेंसटेशन आफिसर एच० बी० दस्तूर मिलिट्री इस्टेट—आफिसर (सैल)।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊपर के संदर्भ में पहली अनुसूची

बंबई की सरकार की बैंक बे रिक्लेमेशन इस्टेट के ब्लॉक 2 में प्लॉट नं० 109 वाली जमीन का तमाम टुकड़ा जो उस पर खड़ी वाड़ी, किराए के आवास और निवास भवनों सहित बंबई नगर के अंदर और बंबई रजिस्ट्री उप-जिले में, मौजूद है और माप से एक हजार चार सौ अड़तिस वर्ग गज यानी एक हजार दो सौ दो वर्ग मीटर या उसके आस पास है और बंबई के कलेक्टर के रिकार्ड में किराया क्रम सूची नं० 10015 में केडस्ट्रल सर्वे नं० 1543, फोर्ट डिवीजन के अन्तर्गत दर्ज है और म्युनिसिपल रेड्स एण्ड टेक्ससेज के असेसल व कलेक्टर के यहाँ ए वाई नं० 1315 (12), स्ट्रीट नं० 26, क्वीन्स रोड, के अंतर्गत निर्धारित होता है, तथा इस प्रकार सीमाबद्ध है:— कि:— उत्तर की ओर उक्त इस्टेट का प्लॉट नं० 108, दक्षिण की ओर विनशावच्छा रोड, पूर्व की ओर क्वीन्स रोड, और पश्चिम की ओर उक्त इस्टेट का प्लॉट नं० 110 है।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 15 जनवरी 1976

अर्जन रेंज-I बम्बई

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 15 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई०-1/1633-11-मई-76—अतः मुझे
वी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 390 का फोर्ट डिवीजन
है तथा जो धोगा स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोपालदास मोरारजी, ताराबाई प्रेमजी, जय
केशवजी जयराज गोपालदास तारा जयराज, जिगनथा जयराज
और लुपति जयराज (घोडसार) मानसिंह रतनसिंह जयसिंह
रतनसी, हरीश रतनसी, राजेन्द्र रतनसी, किरन केशवजी, रजनी
मानसिंह, जयश्री जयसिंह, केशवजी और बिन्दू मानसिंह और
अल्पा मानसिंह (माइनर)। (अन्तरक)

2. श्री सुखराज जैन (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रहोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी भूमि या जमीन का वह तमाम भाग अथवा
खंड उस पर स्थित हवेली, मकान, गृहवाटिका समेत जो
बम्बई नगर एवं बम्बई उपनगर के रजिस्ट्रेशन उप-जिला में
बम्बई के किले के अन्दर घोगा गली में स्थित एवं अवस्थित
है और जिसे भू-राजस्व के संग्रहक ने कलेक्टर ऑल्ड सं०
212 नई सं० 5076, पुरानी सर्वेक्षण सं० 328 और नवीन
सर्वेक्षण सं० 9340 और फोर्ट डिवीजन का कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण
सं० 390 अधीन रजिस्टर्ड किया है और जिसे बम्बई महा-
नगर पालिका ने ए वाई सं० 1687 और स्ट्रीट सं० 19-21
के अधीन निर्धारित किया है जो पैमाइश में 65 वर्गमीटर
अथवा 78 वर्ग गज या उससे कुछ कम या ज्यादा है, और
जिसकी सीमाएं इस प्रकार घिरी हुई हैं:— अर्थात् पूर्व में या
पूर्व की ओर पेस्टन जी नौरोजी की संपत्ति है, पश्चिम में
या पश्चिम की ओर सोरावशा वैरामजी डोसर की संपत्ति
है, उत्तर में या उत्तर की ओर उपर्युक्त टोड़ी स्ट्रीट या घोगा
स्ट्रीट है और दक्षिण में या दक्षिण की ओर फामजी वाड़ी
के उत्तराधिकारियों का घर है।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख: 15 जनवरी 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बंबई श्रीमती के०जी०एम०पी० आयुर्वेदिक बिस्किटिंग,

5वां माला, नेताजी सुभाष रोड, बंबई-400002

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1977

निदेश सं० आई०/1651-8/मई, 76—यतः मझे, वी०

आर० अमीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० 605 का मालबार और कंबाला हिल डिवीजन है तथा जो अग्रस्त क्रांति मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-5-1976 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तेहमिना पी० जोशी की लड़की दोसा आलियास दी और विधवा अदरवाद वी० इरानी।

(अन्तरक)

2. (i) जवा वी० शेठ

(अन्तरिती)

3. (1) श्री जे० लाला

(2) डा० पी० डी० मतीवाला।

(3) श्री डी० ई० बुबाश।

446GI/76

(4) श्रीमती एन० डाक्टर।

(5) श्री वी० वी० शेठ वगैरह।

(6) डा० वरयुश इरानी।

(7) आपकी दुकान।

(8) श्री गोपीनाथ हरी।

(9) श्री एच० एच० शाह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवस्थियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेंशन और टैक्स पट्टे की जमीन या मैदान (मोचित) का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो कम्बाला हिल रोड व ग्वालिया टैक रोड जो अब अग्रस्त, क्रांति मार्ग के नाम से जाना जाता है के जंक्शन पर मौजूद पड़ा हुआ है, और बम्बई के फोर्ट से बाहर बंबई नगर व उपनगर के रजिस्ट्री उप-जिले में है, माप में 656.36 वर्ग मीटर यानी 785 वर्ग गज के बराबर या उसके आस-पास है और भूराजस्व कलक्टर के रिकार्ड में पुराने नं० 328, नये नं० ए3/2132, पुराने सर्वे नं० 67 व नये सर्वे नं० 6 सी०/7128 (भाग) व 1/7128 (भाग) एवं कैंडेस्ट्रल सर्वे नं० 605, मलबार व कंबालाहिल डिवीजन के अन्तर्गत दर्ज है तथा बृहन्मुंबई महानगर पालिका द्वारा "डी" वार्ड नं० 3404 (1एफ) व (1 एफ० एफ० एफ०) और पुराने स्ट्रीट नं० 103 ग्वालिया टैक रोड तथा नये स्ट्रीट नं० 134-138-16 अग्रस्त क्रांति मार्ग व स्ट्रीट नं० 16 ए.कम्बाला हिल रोड के अन्तर्गत निर्धारित होता है और इस प्रकार से घिरा हुआ है कि :— उत्तर की ओर श्री नाथालाल अम्बालाल की संपत्ति जिसका कैंडेस्ट्रल सर्वे नं० 1/605 उक्त डिवीजन में है, दक्षिण की ओर ग्वालिया टैक रोड, जो अब अग्रस्त क्रांति मार्ग के नाम से जानी जाती है, पूर्व की ओर कंबाला हिल रोड, पश्चिम की ओर 'सुनामा' हाउस, है जो श्री फिरोज फामरोज तारापुरवाला वगैरह की संपत्ति है और जिसका उक्त डिवीजन का कैंडेस्ट्रल सर्वे नं० 604 है।

वी० वार० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 15 जनवरी 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, श्रीमती के०जी० एम०पी०, बिल्डिंग, 5वां माला, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर 1976

बम्बई-400002, दिनांक 10 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई०-1/1722-13/मई-76—अतः मुझे वी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 288 का मालाबार कंबाला हिल डिवीजन है तथा जो बालकेश्वर रोड में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जमेतजि के० गोवनी, बाबुलाल एच० शाह, सीताबाई शिवराज । (अन्तरक)

2. श्री खुरशद कैखुशू पलुम्बर, कु० के० नैरोश कैखुशू पलुम्बर । (अन्तरिती)

खुरशद के० पलुम्बर एंड नरगिश के० पलुम्बर 48/50, बालकेश्वर रोड, बम्बई-6.

किराएदारों की सूची

3: मंजुला रसिकलाल भट्ट, सुन्दरबेन डी देघिया, किरिट दामोदरदास शाह, दामोदर जमनादास, प्रभुदास डी कटकोरिया, द्वारकादास मूलजी भाटिया, गंगारावजी, लैडलाई । को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अन्तरिती जमीयतराज केशवजी गोंवानी वगैरह

पेंशन और टैक्स पट्टे की जमीन या मैदान का वह तमान टुकड़ा (उपकर मोचित), जो 1000 वर्गगज यानी 836 वर्ग मीटर के लगभग का है, जो केडेस्ट्रल सर्वे में 1,130, वर्गगज व भू-राजस्व कलक्टर के रकार्ड में पुराने नं० 156 नये नं० 1451, पुराने सर्वे नं० 17, नए सर्वे नं० 8/7288 के अधीन दिखाया गया है, उस पर खड़ी बाड़ियों, किराए के आवासों और बंगला सहित, जो बम्बई के फोर्ट से बाहर, मलबार हिल रोड, बालकेश्वर रोड के उत्तर की ओर बंबई के उप-रजिस्ट्री जिले में मौजूब पड़ा हुआ है, और जिसका सी० एस० नं० 288 मलबार व कंबाला हिल डिवीजन है तथा म्युनिसिपल रेट्स व टेक्सेज के असेसर व कलक्टर द्वारा डी-वाइड नं० 2491 (4 व 4-ए), स्ट्रीट नं० 95 के अधीन निर्धारित होता है और इस प्रकार सीमाबद्ध है कि :— उत्तरी ओर मलबार हिल के ऊपरी पुल की जड़ मृत डब्ल्यू० एस० विल्सन की संपत्ति पूर्व की ओर जो सब का अब्दुल रुसीन हेप्तुल्ला की संपत्ति, पश्चिम की ओर हाजी अब्दुल सतार हाजी दमेर की संपत्ति है ।

वी० आर० अमीन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, बम्बई

तारीख: 15 जनवरी 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई-400002, दिनांक 17 जनवरी 1977

निर्देश सं० आई०-1/1631-9/मई-76—अतः मुझे,

वी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 2 (भाग) और सी० एस० नं० 2 का वरली डिवीजन है तथा जो डा० अनि बेसेन्ट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. सिदिया इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० (अन्तरक)

2. लायल को० आप० हाउ० सो लि० । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

उपयुक्त प्रथम अनुसूची

हवेली, निवासघर और मकान और वे सभी संरचनाएं और खुली जमीन फ्रीहोल्ड जमीन का वह तमाम भाग अथवा खंड जो पैमाइश में 21,000 वर्गगज (अर्थात् 17558.10 वर्गमीटर) के लगभग है, डा० एनिबेसेंट रोड, वरली पर स्थित है, और रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई में, वरली डिवीजन के कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 2 का एक भाग है, और उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर डा० एनिबेसेंट रोड है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर अरबसागर है, उत्तर में या उत्तर की ओर शिवसागर स्टेट की संपत्ति है जिसका सी० एस० सं० 2 (अंश) है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर सी० एस० सं० 1 की भूमि है, और उक्त संपत्ति असेसर और कलेक्टर द्वारा "जी" वार्ड सं० 9(2) से 9(8) और स्ट्रीट सं० 164 ए० से 164 जी० के अधीन निर्धारित है ।

द्वितीय अनुसूची

हवेली, निवासघर और मकान और वे सभी संरचनाएं और खुली भूमि समेत जो माप में 10,600 वर्गगज अथवा 8,862.66 वर्गमीटर के लगभग है, डा० एनिबेसेंट रोड, वरली पर स्थित है, रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई में वरली डिवीजन के कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 2 का एक भाग है और इसके साथ संलग्न प्लान पर रेकर्डित है और उसपर लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरा हुआ दिखाया गया है और जिसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व में या पूर्व की ओर डा० एनिबेसेंट रोड है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर विक्तेआओं की दूसरी संपत्ति है, उत्तर में या उत्तर की ओर शिवसागर इस्टेट की संपत्ति है जिसकी सी० एस० सं० 2 (अंश) है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर प्रवेश मार्ग है और उसके बाद सी० एस० सं० 1 की जमीन है और उक्त जायबाद असेसर और कलेक्टर द्वारा "जी" वार्ड सं० 9(2) से 9(8) और स्ट्रीट सं० 164 ए से 164 जी के अधीन निर्धारित है ।

तिसरी अनुसूची

हवेली, निवासघर और मकान और वे सभी संरचनाएं और खुली जमीन समेत फ्रीहोल्ड जमीन का वह तमाम भाग अथवा खंड जो माप में 10,400 वर्ग गज यानी 8,695.44 वर्गमीटर के लगभग है, डा० एनिबेसेंट रोड वरली, बम्बई में स्थित है, जो रजिस्ट्रेशन जिला और उपजिला बम्बई में वरली डिवीजन का कैडेस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 2 का एक भाग है और उसकी सीमाएं इस प्रकार से घिरी हुई हैं अर्थात् पूर्व या पूर्व की ओर डा० गु० बी० रोड है । पश्चिम में या पश्चिम की ओर अरब सागर है, उत्तर में या उत्तर की ओर अंशतः शिवसागर इस्टेट की संपत्ति है जिसकी सी० एस० सं० 2 (अंश) है, और अंशतः वह जमीन है जो दूसरी

अनुसूची में विशेष रूप में अच्छी तरह वर्णित है, और दक्षिण में या दक्षिण की ओर सी० एस० सं० 1 की जमीन है।

वी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 17-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 जनवरी 1977

निर्देश सं० 504/ए० सी० न्यू-23-894/13-7/76-77

—अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० न० 689, 690 और 692 है, जो रेलवे लाइन्स के पास, मेहमदाबाद, जिला खेडा में स्थित है (और इससे उपाय अन्वेषण में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्वेषण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री ओमकारगिरी काशीगिरी, गिरी भवन, अहमदाबाद-7।

(अन्तरक)

(2) मे० रसिकलाल एण्ड कं० अपने सहकारी रसिकलाल मोहनलाल तथा अन्य द्वारा मारफत शाह ब्रदर्स, 178/1, गोलवाड़, रतनपोल, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सं० न० 689, 690 और 692 तथा कुल माप 6 एकड़ 21 गुंठा (31581 वर्ग गज) है तथा जो रेलवे लाइन्स के पास मेहमदाबाद, जिला खेडा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेहमदाबाद के मई 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 868 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 18-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जनवरी 1977

निर्देश सं० 505/ए० सी० ब्यू०-23-895/7-4/76-77
—अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे० सं० नं० 120/5, 120/6, 120/3 और
119/4 है जो, काबिल पोर रोड, नवसारी स्टोन कं०
के पास नवसारी में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 8-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किय जाना चाहिए छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) इश्वरलाल मगनलाल देसाई, कालिया बाड़ी देसाई
पालिया ता० नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकुंद गोकलदास राजानी चन्दुलाल ओढवजी
राजानी मारफत नवसारी स्टोन कं० स्टेशन रोड, नवसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 119/4, 120/3,
120/5, और 120/6 तथा कुल माप ए-0-28 गुंठा है
तथा जो काबिल पोर रोड, नवसारी स्टोन कं० के पास नवसारी
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के जून
1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 727 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 19-1-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 जनवरी 1977

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1161(557)/1-1/75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 61, 62, 72, कलूपुर वार्ड नं० 3, है, जो सेन्सस नं० 35-1, 35-1-1, रतनपोल के पास, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-6-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्रीमती रतनबेन पुत्री श्री जेसिह भाई साराजेभाई जैन को० ओ० हाऊसिंग सोसायटी लि० एलिसब्रिज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मफतलाल राजमल डेसाई, स्वयं तथा निम्नलिखित अवयवों के अभिभावक की हैसियत से:—

(क) श्री नवीन चंद्र मफतलाल डेसाई,

(ख) श्री प्रकाश मफतलाल डेसाई,

(2) श्री प्रवीणचन्द्र मफतलाल डेसाई,

(3) श्री हसमुखलाल मफतलाल डेसाई, मांडवी नी पोल, मलीना खांचा अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

(3) दी माधवपुर मर्केन्टाईल को० आ० बैंक लि० रतनपोल, अहमदाबाद।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो पहली, दूसरी तथा तीसरी तलों सहित है तथा जिसका सर्वे नं० 61, 62 तथा 72 है तथा जिसका सेन्सस नं० 35-1, 35-1-1, कालूपुर वार्ड नं० 3 है तथा जो रतनपोल के पास, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्ज रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 21-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री के० वी० वेंकटाचल अय्यर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती अम्माल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1977

निर्देश सं० 47/जून/76-77 :—यतः, मंजो, जी० रामनाथन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 234/2, 4 और 5 है, जो कमलापुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओमलूर (पत्र सं० 1124/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारुस्तिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंधी

सेलम जिल्ला, कमलापुरम गांव एस० सं० 234/2 (3.29 एकड़), 234/5 (0.82 एकड़) और 234/4 (0.06 एकड़) में 4.17 एकड़ भूमि खेती की भूमि और आदि।

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 12-1-1977
मोहर :

प्रकृप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री के० बी० वेंकटाश्ल अयर और आदि ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1977

निर्देश सं० 48/जून/ 76-77:—यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और

और जिसकी सं० 234/3, 6, 7 और 229/3 है, जो कमलापुरम गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ओमलर (पत्र सं० 1125/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :

(2) श्री ए० पेरुमाल गऊन्डर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

रफर्ट न० ११७ :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सेलम जिल्ला, कमलापुरम गांव एस० सं० 234/3 (2.03 एकड़), 234/6 (0.67 एकड़), 234/7 (0.67 एकड़) और 229/3 (1.38 एकड़) में 4.75 एकड़ खेती की भूमि

जी० रामानाथन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I मद्रास

तारीख : 12-1-1977

ओहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती डी० सरोजिनि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(2) भी एन० कन्तसामी

(अन्तरिती)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 13 जनवरी 77

निर्देश सं० 2892/ 76-77 :—यतः मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 22/54, उप्पुकिनर लेन है तथा जो राजा स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुपूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० III कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 1459/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5-446GI/76

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूची

कोयम्बतूर, राजा स्ट्रीट, उप्पु किनर लेन, डोर सं० 22/54 में 1893 स्कूयर फीट की भूमि (मकान के साथ)
(नया टी० एस० सं० 745 और 747)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 13-1-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 18 जनवरी 77

निर्देश सं० 2954/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 66 से 73, 73 ए तक, 240, 241, 242 तिरुमूर रोड-पलनि पोल्लाचि रोड, उडुमलै पेट्टे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उडुमलपेट (डाकुमेन्ट 1432/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती सिवगामि आचि और सोलै आचि (अन्तरक)
- (2) श्री एम० के० सुब्रमनियम चेट्टियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उडुमलैपेट्टे, तिरुमूर रोड, पलनि पोल्लाचि रोड, डोर सं० 66 से 73 तक, 73 ए०, 240 241 और 242 (लगभग 97½ सेण्ट) (मकान के साथ)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-1-77
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती ई० ओलिमुत्तु

(अन्तरक)

(2) श्री डाक्टर के० एम० ए० अन्सार

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 77

निदेश सं० 3603/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरटनम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० डोर सं० 4, ता० उ० चिदम्बरम पिल्लै नगर
तन्जाऊर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०-
आर० I, तन्जाऊर (डाकुमेण्ट 1418/76) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तन्जाऊर, या० उ० चिदम्बरम पिल्लै नगर, डोर सं० 4
(टी० एस० सं० 3106 और 3107) में 19167 स्क्वयर फीट
का भूमि (भकान के साथ)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 18-1-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी०-एन० एस०—

(1) श्री एम० तंगवेलू, एम० रंगस्वामी और एम० रामस्वामी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्री ए० राजगोपाल,
ए० नितियाश्रम, और
ए० विटलनादनकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

(अन्तरिती)

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 77

निवेश सं० 4002/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरदनम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र० से अधिक है

और जिसकी सं० 11/240 शास्तिरि रोड, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०, कोयम्बतूर (आकुमण्ट 1704/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, शास्तिरी रोड, डोर सं० 11/240

एस० राजरदनम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 18-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री वी० एम० मुकुण्ड मुदलियार एण्ड कंपनी
(अन्तरक)(2) श्री पी० वी० वैद्यापुरि मुदलियार
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी, 77

निदेश सं० 4058/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरटनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 158, ब्रफ रोड, ईरोड में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०
I, ईरोड (डाकुमेंट 1424/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, ब्रफ रोड, डोर सं० 158 में 7800 स्क्वयर फीट का
भूमि (मकान के साथ)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-1-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी, 77

निदेश सं० 5203/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरटनम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6 ए०, हेच० डी० राजा नगर, एल्डाम्स रोड, मद्रास-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैला-पुर, मद्रास, (डाकुमेण्ट 661/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० मुत्तुकृष्णन

(अन्तरक)

(2) श्री के० जी० राममूर्ति

(अन्तरिती)

(4) श्री हेच० पुहराज चौकार दक्षिणामूर्ति ;
श्रीमती सुब्बम्माल; और श्रीमती एम० विजयलक्ष्मी
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, तेनाम्पेट, एल्डाम्स रोड, हेच० डी० राजा नगर,
डोर सं० 6 ए० में एक अउण्ड और 1275 स्क्वयर फीट की भूमि
(मकान के साथ)

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज II मद्रास 600006

मद्रास, 600006 दिनांक 15 जनवरी, 1977

निवेश सं० 5205/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है;

और जिसकी सं० डोर सं० 50, सर तियागराया रोड, मद्रास 17 (4 अउण्ड और 191 स्क्वयर फीट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर. 1 सैदापेट (डाकुमेण्ट 319/76 में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, 5-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्रीमती बालम जानकीराम,
2. श्रीमती लक्ष्मी रोचैनबेच;
3. श्रीमती कल्यानि ईश्वरन;
4. श्री के० जे० सीतारामन;
5. श्री के० जे० रामस्वामी;
- (6) दीपक रामस्वामी (मैनर) (गार्डियन के० जे० रामस्वामी के द्वारा)

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती जी० पी० वसन्ति और जी० बी० जयलक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 17, टी० नगर, सर तियागराया रोड, डोर सं० 50 में 4 अउण्ड और 191 स्क्वयर फीट (मकान के साथ) जिसका टी० एस० सं० 6516 और 9327 1 ब्लाक सं० 14 प्लॉट सं० 331

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री आर० कृष्णास्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० नरसिंहन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जनवरी 77

निर्देश सं० 5251/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 18, अबिरामपुरम, प्रिलि अवैन्नु में 2 ग्राउण्ड और 1635 स्क्वयर फीट की भूमि (आर० एस० 3673/8) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलापूर, मद्रास (डाकुमेन्ट 725/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 18, अबिरामपुरम, प्रिलि अवैन्नु, में 2 ग्राउण्ड और 1635 स्क्वयर फीट की खाली भूमि (आर० एस० सं० 3673/8)

एस० राजरत्नम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 18-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी, 1977

निदेश सं० 5252/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 17 मर्से गेट रोड, मद्रास (2284 स्क्वयर
फीट की भूमि) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलापुर
मद्रास, (डॉकुमेण्ट 726/76) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—446 GI/76

(1) श्री एम० एस० पट्टाबिरामन और एम० एस० पत्तनाबन
(अन्तरक)

(2) के० श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास 18, मर्से गेट रोड, डोर सं० 17 में 2284 स्क्वयर फीट
की भूमि (आर० एस० 1548/13 और 1548/1 भाग)।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी, 1977

निदेश सं० 5252/76-77:—यसः, मुझे, एस० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 17, मर्सेस गेट रोड, मद्रास-18 (3465 स्क्वियर फीट) (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाकुमेण्ट 732/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-5-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

(1) श्री एम० एस० पट्टाबिरामन और एस० एस० पत्तनाबन (अन्तरक)

(2) श्री के० श्रीनिवासन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-18, तेनाम्पेट, मर्सेस गेट रोड, डोर सं० 17 (आर० एस० -1548/13 और 1548/1 भाग) में 3465 स्क्वियर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अ रं ज- , म ा स

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

(1) श्री जी० लक्ष्मण रामकृष्णणा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 जनवरी 1977

निर्देश सं० 5273/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरटनम
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ग
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
 स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
 से अधिक है

और जिसकी सं० 6, हालिस रोड, मद्रास 22 अण्ड और 2291
 स्कूयर फीट की भूमि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
 और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
 परसवाक्कम, मद्रास (आकुमेण्ट 757/76) में, [रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
 24-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
 है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
 अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
 अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
 उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
 है:—

(2) वी सेण्टर कोआपरेटिव बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
 व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के
 अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की
 उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

मद्रास-10, किलपाक, हालिस रोड, डोर सं०-6 में 22
 अण्ड और 2291 स्कूयर फीट की खाली भूमि।

एस० राजरटनम
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 17-1-77
 मोहर।

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

123 माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1977

निदेश सं० 5246/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मद्रास 6, डोर सं० 5 ग्रीम्स रोड में दूसरा फ्लोर और 1/5 अभिन्न भाग -4 ग्राउण्ड और 940 स्क्वयर फीट में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास 17 (डाकुमेण्ट 612/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-5-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाडकरसु, एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि (अन्तरक)

(2) श्री एस० हेच० नाजमुनिना (मैनर) (एस० ई० ए० हाजा मैवीन, गाडियन के द्वारा) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, ग्रीम्स रोड, डोर सं०-5 में दूसरा फ्लोर और 4 ग्राउण्ड और 940 स्क्वयर फीट में 1/5 अभिन्न भाग।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

123 माउन्ट रोड, मद्रास-600006

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1977

निदेश सं० 5246/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 में तीसरा
फ्लोर और 4 ग्राउण्ड और 940 स्क्वयर फीट में 1/5 अभिन्न भाग
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डॉकुमेन्ट
613/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 25-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुखोस नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु;
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि
(अन्तरक)

(2) कुमारी एस० हेच० शाम्साड बेगम (मैनर) (एस०
ई० ए० हाजा मदीन के द्वारा)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 में तीसरा फ्लोर और 4
ग्राउण्ड और 940 स्क्वयर फीट में 1/5 अभिन्न भाग।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-

123 माउन्ट रोड, मद्रास 600006

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 77

निदेश सं० 5246/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरत्नम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, प्लॉट सं० 2, चौथा
फ्लोर में 4200 स्क्वयर फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाकुमेन्ट 614/76) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16') के अधीन, तारीख
25-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम;
या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ी एम० मुरुगेम नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दस्वामी
(अन्तरक)

(2) श्री एस० हेच० निजामुद्दिन
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, प्लॉट सं० 2 (आर० एस० 43/4)
ग्राउण्ड और 940 स्क्वयर फीट में 1/5 अभिन्न भाग और चौथा
फ्लोर में 4200 स्क्वयर फीट।

एस० राजरत्नम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 1977

निर्देश सं० 5247/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरतनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० मद्रास 6, सं० 5, ग्रीम्स रोड, प्लॉट 13
जी० दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वयर फीट है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेन्ट 627/76)
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 27-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाडकरसु एम०
आनन्दन और टी० गोविन्दनामि
(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० आर० ए० टंजुप्पिसा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, प्लॉट सं० 13 जी; आर० एस०
सं० 43/4-2 प्राउड और 559 स्क्वयर फीट में 1/28 भाग;
दूसरा फ्लोर 645 स्क्वयर फीट में 1/21 भाग; और दूसरा फ्लोर
में 600 स्क्वयर फीट।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जनवरी 77

निदेश सं० 5247/76-77:—यतः, भूमे, एस० राजरतनम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास, ग्रीन्स रोड, प्लॉट सं० 13 जी०,
आर० एस० 43/4-दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वियर फीट में स्थित है
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (आकुमेण्ट
सं० 628/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एम० मुखोस नायकर, एम० तिरुनाउक्करमु, एम०
आनन्दन और टी० गोविन्दसामि
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती के० आर० ए० कमलक्षिमा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीन्स रोड, आर० एस० सं० 43/4, प्लॉट सं०
13 जी०-2 ग्राउण्ड और 559 स्क्वियर फीट में 1/28 अभिन्न भाग;
दूसरा फ्लोर 645 स्क्वियर फीट में 1/21 भाग और दूसरा फ्लोर
में 600 स्क्वियर फीट।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 जनवरी, 77

निदेश सं० 5247/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरटनम
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 13 जी, आर० एस० सं० 43/4
ग्रीम्स रोड, मद्रास-दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वियर फीट में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट
629/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 27-5-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिलियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजना अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
7-446GI/76

(1) श्री एम० मुकुण्ड नायकर; एम० तिरुनाड व्करसु;
एम० आनन्दन; और टी० गोविन्दस्वामी
(अन्तरक)

(2) श्रीमती नजुमुन्निसा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, आर० एस० सं० 43/4, प्लॉट सं० 13/
जी० 2 अग्रण्ड और 559 स्क्वियर फीट में 1/28 अभिन्न भाग;
दूसरा फ्लोर-645 स्क्वियर फीट में 1/21 भाग और दूसरा फ्लोर
में 600 स्क्वियर फीट।

एस० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II मद्रास-600006

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास-600006

मद्रास-600006, दिनांक 15 जनवरी, 77

निर्देश सं० 5247/76-77:—यनः, मुझे एम० राजरटनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, प्लॉट सं० 13 जी०-दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वयर फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर मद्रास (डाकुमेंट 630/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीषों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री एम० मुखोस नायकर; एम० तिरुनाउक्करसु;
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दन स्वामी
(अन्तरक)
- (2) श्री हाजी के० आर० अब्दुल करीम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6 ग्रीम्स रोड प्लॉट सं० 13 जी०-2 अउण्ड और 559 स्क्वयर फीट में 1/28 अभिन्न भाग; दूसरा फ्लोर 645 स्क्वयर फीट में 1/21 भाग; और दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वयर फीट।

एम० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 15-1-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11 मद्रास 600006

मद्रास 600006 दिनांक 15 जनवरी, 77

निर्देश सं० 5247/76-77:-यतः, मुझे, एम० राजरटनम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, प्लॉट 13 जी०;
आर० एम० 43/4 दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वयर फीट में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेंट
631/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 27-5-1976

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बार्गविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुन्नेसस नायकर; एम० तिरुना उत्करमु;
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दस्वामी
(अन्तरक)

(2) कुमारी के० आर० ए० रत्नीना बेगम
(मैनर (श्री के० आर० अब्दुल करीम के द्वारा)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स, रोड प्लॉट सं० 13 जी०, आर० सं० 43/4
2 अक्कण्ड और 559 स्क्वयर फीट में 1/28 अभिन्न भाग; दूसरा
फ्लोर 645 स्क्वयर फीट में 1/21 भाग और दूसरा फ्लोर में 600
स्क्वयर फीट।

एम० राजरटनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास 600006

तारीख : 15-1-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास 600006

मद्रास 600006, दिनांक 15 जनवरी, 77

निवेश सं० 5247/76-77:—यतः, मुझे, एस० राजरतनम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास-6, ग्रीम्स रोड, आर० एस० सं० 43/4, प्लॉट सं० 13जी० दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वयर फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास 18 (डाकुमेंट 632/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० मुखोस नायकर; एम० तिरुनाउक्करसु;
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दस्वामी
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती के० आर० ए० महमुदा बेगम
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट सं० 13 जी०, आर० एस० सं० 43/4 ग्रीम्स रोड, मद्रास में (2 प्रउण्ड और 559 स्क्वयर फीट) 1/28 अभिन्न भाग भाग; दूसरा फ्लोर 645 स्क्वयर फीट में 1/21 भाग और दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वयर फीट ।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
'सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास 600006

तारीख : 15-1-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास 600006

मद्रास 600006, दिनांक 15 जनवरी, 77

निदेश सं० 5247/76-77 :—यतः, मुझे, एस० राजरतनम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, प्लॉट 13 जी० दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वियर फीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 633/76) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-5-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुखेस नायकर, एम० तिरुतावकरमु;
एम० आनन्दन, टी० गोविन्दस्वामी
(अन्तरक)

(2) श्री के० आर० ए० मोहम्मद अली (मैनर) (श्री के० आर० अब्दुल करीम के द्वारा)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 प्लॉट सं० 13 जी० आर० एस० सं० 43/4-2 ग़उण्ड और 6559 स्क्वियर फीट में 1/28 अभिन्न भाग ; दूसरा फ्लोर 645 स्क्वियर फीट में 1/21 भाग और दूसरा फ्लोर में 600 स्क्वियर फीट।

एस० राजरतनम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II-मद्रास

तारीख : 15-1-77

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 14th January 1977

No. P-197/Admn.II.—In continuation of this office notification of even number dated 7th February, 1976, Chairman, Union Public Service Commission, is pleased to grant extension of service to Shri P. Chatterjea, Director (Data Processing) in the office of the Union Public Service Commission, for a further period of six months w.e.f. 1-2-1977 or until further orders, whichever is earlier.

This has the approval of the Minister of State in the Department of Personnel & Administrative Reforms.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary (Admn.)
for Chairman
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE
CABINET SECRETARIAT
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMN.
REFORMS

New Delhi, the 6th January 1977

No. A-11/38/76.—Shri S. M. Shirole, Superintendent, Central Excise, Bombay is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer on deputation in Bombay Zonal Office of this Directorate with effect from 6-12-76 (AN) and until further orders.

S. B. JAIN
Director

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th January 1977

No. K-19/72-Ad.V.—Consequent on his repatriation to Delhi Police, Shri K. L. Kalra relinquished charge of his office of Dy. S.P. Central Bureau of Investigation, FS. II, New Delhi with effect from 31-12-76 (A.N.).

His services have been placed back at the disposal of Delhi Police.

P. S. NIGAM
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 13th January 1977

No. 2/14/76-Admn.—The Central Vigilance Commission hereby appoints Shri S. P. Sahni, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 3rd January, 1977, until further orders.

SHRI NIVAS
Under Secretary
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE,

New Delhi-110001, the 15th January 1977

No. O.II-1032/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak, as Junior Medical Officer in the CRPF on an *ad-hoc* basis w.e.f. 6-1-77 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 17th January 1977

No. O.II-1048/76-Estt.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. Choudhury Kshirod Chandra Das, JMO, 28th Bn., CRPF, relinquished charge of his post on the afternoon of 25th December, 1976.

No. O.II-1049/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P. Sektaratnam, as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an *ad-hoc* basis w.e.f. 28-12-1976 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

The 18th January 1977

No. O.II-18/77-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri K. S. Bajpai, an IPS officer of Madhya Pradesh cadre as DIG in the CRP Force.

2. Shri Bajpai took over charge of the post of DIG CRPF, Neemuch on the forenoon of 1st January, 1977.

No. O.II-904/71-Estt.—On his services having been replaced at the disposal of the CRPF by the ITHP, Shri P. K. Sharma, Dy. S.P. is posted as Dy. S.P. (Coy. Comdr.) in 39th Bn. CRPF, Bhubaneswar with effect from the forenoon of 6-1-1977.

No. P.VII-2/76-Estt.—Shri M. R. Lakhera, Office Superintendent of the CRPF is promoted as Section Officer on a purely *ad-hoc* basis, until further orders, in the Directorate General, CRPF, New Delhi w.e.f. the afternoon of 31-12-1976.

A. K. BANDYOPADHYAY
Asstt. Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th November 1976

No. E-29020/4/76-GA-II.—Shri H. L. Jham, Accounts Officer of the Office of AG: CW&M, New Delhi and presently on deputation to CISO w.e.f. the 11-9-72 (FN), is appointed substantively, in the CISO as Accounts Officer, w.e.f. the Forenoon of 20th November, 1976.

L. S. BISHT
Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 19th January 1977

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Dr. R. R. Tripathi, Research Officer (Map) in the office of the Registrar General, India and *ex-officio* Census Commissioner for India as Map Officer in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the date of his taking over charge of the office or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Dr. Tripathi will be at New Delhi.

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Dr. B. K. Roy, Map Officer in the office of the Registrar General, India and *ex-officio* Census Commissioner for India as Assistant Registrar General (Map) in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the date of his taking over charge of the office or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Dr. Roy will be at New Delhi.

No. 11/4/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Pongurlekar, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Gujarat on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of the 10th January, 1977 upto 8th April, 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pongurlekar will be at Ahmedabad.

No. 11/10/76-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sharma, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Gujarat as Deputy Director of Census Operations in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 10th January, 1977 upto 8th April, 1977 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Sharma will be at Ahmedabad.

BADRI NATH
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF F.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 12th January 1977.

No. 1535/A.—In continuation of Notification No. 928/A dated 8-10-1976, the appointment of Shri S. T. Pawar as Deputy Control Officer, New Currency Note Press will continue in the chain vacancy caused due to the promotion of Shri H. K. Shejwal as Control Officer, C.N.P., w.e.f. 9th January, 77 until further orders.

N. RAMAMURTHY
Sr. Dy. General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I
MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 13th December 1976

No Admn.I/554.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I, has been pleased to appoint the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity from the dates mentioned against each name, which are the actual dates of taking over charge.

S/Shri

1. K. M. L. Agarwal (02/0213)—22-9-76 Forenoon.
2. M. G. Hayaran (02/0214)—5-10-76 Afternoon.
3. S. P. S. Ahluwalia (02/0215)—5-10-76 Afternoon.

KRISHNA GOPAL
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Ahmedabad, the 1977

No. E.B.I./8-132/76-77/390.—Shri V. V. Ramakrishna Rao, Accounts Officer Office of the Accountant General, Andhra Pradesh-II, Hyderabad has retired from service w.e.f. 31-12-1976 (A.N.).

S. MUKHERJEE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
GUJARAT

Ahmedabad, the 15th January 1977

No. Estt.(A)/GO/2/4103.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following permanent members of the Subordinate Accounts Service, to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from the dates shown against each, until further orders.

S/Shri	with effect from
1	2
1. P. A. K. Raja—1-11-76 FN.	
2. N. K. Parekh—29-11-76 FN.	

- | 1 | 2 |
|---------------------------------|---|
| 3. N. G. Bidikar—6-12-76 AN. | |
| 4. B. S. Josh—6-12-76 AN. | |
| 5. A. S. V. Sharma—27-12-76 FN. | |
| 6. H. C. Parekh—31-12-76 FN. | |
| 7. K. U. Joshipura—31-12-76 FN. | |

K. H. CHHAYA
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF ACCOUNTS
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

New Delhi, the 14th January 1977

No. A-24013/76-77/Hd.Qrs./2276-81.—Shri Shambhu Dayal Mathur, a permanent Accounts Officer in the Office of the Chief Controller of Accounts, Deptt. of Supply, New Delhi expired on 31-12-1976.

P. P. GANGADHARAN
Chief Controller of Accounts

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-700069, the 6th January 1977

No. 2-77/G.—On attaining the age of superannuation, Shri Mahima Ranjan Ghosal, Subst. & Permt. A.S.O. retired from Service with effect from 31-12-76 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI
ADG/Admin. II
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF LABOUR
COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 11th January 1977

No. P.8(5)67.—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (1) (b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints the General Manager Area No. VIII, Eastern Coalfields Ltd., P.O. Mugma, Dist. Dhanbad, as a member of the Jharia and Mugma Coalfield Sub-Committee constituted in this office Notification No. P.8(5)67 dated 28-11-1973 *vice* Shri K. P. Singh, the then Area General Manager, Area No. 5, Bharat Coking Coal Ltd., Bhowra and makes the following further amendment in the said notification :—

For the entry "Sl. No. 4—Shri K. P. Singh, Area General Manager, Bharat Coking Coal Ltd., Area 5, Bhowra, P.O. Bhowrah, Dist. Dhanbad" "Sl. No. 4 the General Manager, Area No. VIII Eastern Coalfields Ltd., P.O. Mugma, Distt. Dhanbad" shall be *substituted*.

The 14th January 1977

S.R.O. No. P. 8(3) 75—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (1) (b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 and in supersession of this office notification No. P.8(7) 67 dated 12-1-1973 and as amended from time to time, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee at its meeting held on 14-10-76, reconstituted the Assam

Coalfield Sub-Committee consisting of the following members :—

- | | |
|---|-------------------------------------|
| 1. The Labour Commissioner, Assam,
Bhuban Chandra Road, Uzan Bazar,
Gauhati, Assam. | Ex-Officio
Chairman |
| 2. The General Manager, Coal India Ltd.,
North Eastern Coalfields Ltd.,
P.O. Margherita, Dist. Dibrugarh,
Assam. | Employers'
Representa-
tives. |
| 3. The Sub-Area Manager, Coal India Ltd.,
North Eastern Coalfields Ltd.,
P.O. Margherita, Dist. Dibrugarh, Assam. | |
| 4. The Superintending Engineer (Civil),
Coal India Ltd.,
North Eastern Coalfields Ltd.,
P.O. Margherita, Dist. Dibrugarh, Assam. | |
| 5. Shri Barin Choudhry,
Tambulbari, P.O. Tinsukia,
Dist. Dibrugarh, Assam. | |
| 6. Shri Bhadreswar Konger,
General Secretary,
Assam Colliery Mazdoor Congress,
P.O. Baragolai, Dist. Dibrugarh, Assam. | Workers'
Representa-
tives. |
| 7. Sri Jatindra Nath Saikia,
Secretary,
Assam Colliery Mazdoor Congress,
P.O. Baragolai, Dist. Dibrugarh, Assam. | |
| 8. The Asstt. Labour Commissioner (C),
Gauhati, Assam. | Co-opted |

S.R.O. No. P. 8 (4) 75—In exercise of the powers conferred by Sub-Rule (1) (b) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1941 and in supersession of this office notification No. P. 8(11) 67 dated 12-1-1973 and as amended from time to time, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee at its meeting held on 14-10-76, reconstituted the Madhya Pradesh, Maharashtra and Rajasthan Coalfield Sub-Committee consisting of the following members :—

- | | |
|---|--------------------------------|
| 1. The Labour Commissioner, M.P.,
Indore | Ex-Officio
Chairman |
| 2. The Dy. Commissioner of Labour,
Nagpur. | Member |
| 3. The Labour Commissioner, Rajasthan,
Jaipur. | Member |
| 4. The General Manager (Co-ordination),
Western Coalfields Ltd.,
C.I.C. Region, Nehru Nagar,
Bilaspur (M.P.). | Employee's
Re-presentations |
| 5. The General Manager (Co-ordination),
Western Coalfields Ltd.,
Bisesar House, Temple Road,
Nagpur. | |
| 6. The Dy. Chief Engineer (Civil),
Western Coalfields Ltd.,
Ramdaspath, Nagpur. | |
| 7. Shri G.M. Khode, Working President,
M.P. Rastriya Koyala Khadan Kar gar
Sangh, Ward No. 29, Itwari
Nagpur (M.S.). | |
| 8. Shri Bhagawat Dubey,
Dy. General Secretary, M.P. Colliery
Workers' Federation, P.O. Chirmiri,
Dist. Surguja (M.P.). | Workers' Re-
presentatives. |
| 9. Dr. P.K. Banerjee, Secretary,
Pench-Kanhan, Branch of S.K.M. J.
(AITUC), Gurbi, P.O. Palachouri,
Dist. Chhindwara (M.P.). | |
| 10. Shri K.C. Dass Puri,
Chief Mining Engineer,
M/s Jammu & Kashmir Minerals Ltd.,
33-B/C, Gandhinagar, Jammu. | Special Invitee |

R. P. SINHA,
Coal Mines Welfare Commissioner
Dhanbad

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 14th January 1977

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1166/77-Admn(G)/389.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Bassi, a permanent Grade 'C' Stenographer of the CSSS as Stenographer Grade 'B' of that Service in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on *ad-hoc* basis with effect from 9-12-76 (FN) and upto the 30th April, 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever, is earlier.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 12th January 1977

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division 1, the words and figures "for carrying out trial manufacture, test and field trials at specified locations upto 30th September, 1976" appearing after the words "ALPHAGEX and ALPHAPRUF" shall be deleted.

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATIVE SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th January 1977

No. A-1/1(287).—Shri P. K. Chatterjee permanent Director in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

No. A-1/1(1008).—Shri C. Desouza, permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

ADMN. SEC. A-6

New Delhi the 17th January 1977

No. A-17011(57)/73-A6.—On his selection by the UPSC for the post of Deputy Director (P&D) in the office of the Textile Commissioner, Bombay, Shri B. S. Pal, Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection, N.I. Circle New Delhi was relieved from his post on the afternoon of the 27th December, 1976. He relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Tex.) at Kanpur on the afternoon of 27th December, 1976.

SURYA PRAKASH, Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals.

MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 14th January 1977

No. A.19011(143)/76-Estt.A.—On his reversion to Geological Survey of India as Geologist (Sr.), Shri V. A. Totre, Junior Mining Geologist has relinquished the charge of the post of Junior Mining Geologist with effect from afternoon of 4th December, 1976. His name has been struck off the strength of this department.

J. C. RANDHIR, Head of Office.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 10th January 1977

No. 92-119/76-Estt./424.—Shri Badal Chandra Das, Zoological Assistant, Zoological Survey of India is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B' in the scale of Rs. 650-1200) in the same Department in a temporary capacity with effect from 6th January, 1977 (Forenoon), until further orders.

Dr. S. KHERA, Jt. Director-in-Charge

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi-1, the 13th January 1977

No. A-12026/1/77-Admn.—The Director, Publications Division, is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a temporary Business Executive, to officiate as Assistant Business Manager purely on *ad hoc* basis in this Division *vice* Shri C. B. Gupta, Assistant Business Manager granted leave for a period of 48 days with effect from 10-1-1977.

This *ad hoc* appointment will not bestow on Shri Jain a claim for regular appointment in the grade of Assistant Business Manager. This service also will not count for the purpose of seniority in that grade.

INDRAJ SINGH, Dy. Director (Admn.)

No. A.20012/4/69-Admn-I.—In continuation of this Division's Notification No. A.20012/4/69-Admn-I, dated 3-11-76, Director, Publications Division is pleased to allow Shri B. C. Mandal, to officiate on *ad-hoc* basis in the leave vacancy of Artist in this Division as detailed below :—

S.No.	Leave Vacancy	Period from which Shri Mandal is allowed to officiate as Artist.
1.	Vice Shri B.D. Sharma, Artist granted extension of leave from 1-1-77 to 4-1-77	1-1-77 to 4-1-77
2.	Vice Shri P.K. Sengupta, Artist, granted leave for 16 days from 5-1-77 to 19-2-77.	5-1-77 to 19-2-77

The continuance of *ad-hoc* appointment will not bestow on Shri Mandal a claim for regular appointment in the grade of Artist.

INDRAJ SINGH, Deputy Director (Admn.)
for Director

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 11th January 1977

No. 2/2/63-Est.I.—On assumption of charge of the post of Branch Manager, Films Division, Nagpur by Shri J. R. Halder, Permanent Branch Manager, Shri P. V. Rao, Officiating Branch Manager reverted to the post of Salesman, Films Division, Nagpur from the forenoon of the 14th December, 1976.

M. K. JAIN, Administrative Officer
for Chief Producer.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th January 1977

No. A.12025/25/76(JIP)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. K. Bhattacharya to the post of Lecturer in pharmacology at the Jawaharlal Institute of post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect 8-4-66/76

from the forenoon of the 8th October, 1976, on an officiating basis, and until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 15th January 1977

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. N. Dutt Barua to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 15th December, 1975.

No. A.39013/7/76-CGHS.I(Pt.I).—Consequent on acceptance of her resignation, Dr. (Mrs.) Rita Malhotra, Junior Medical Officer (*Ad hoc*), CGHS, Delhi, relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, on the 29th November, 1976 (A.N.).

No. A.39013/7/76-CGHS.I Pt.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. R. N. Bansal, Junior Medical Officer (*ad hoc*) relinquished charge of the post of Junior Medical Officer on the afternoon of 18th October, 1976.

R. K. JINDAL, Dy. Director Admn. (CGHS).

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 14th January 1977

No. B/620/Accts/Estt.VII.—In continuation of Notification No. B/620/Accts/EG/2471 dated December 18, 1976, the Controller, BARC appoints Shri Shankar Vishnu Bhawe, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre from November 20, 1976 to January 31, 1977 against leave vacancies.

S. RANGANATHAN, Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Bulandshahr, the 7th December 1976

No. NAPP/Adm/4(40)/76-S/9864.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V. P. Singh an officiating Asstt. Security Officer in Narora Atomic Power Project as Security Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 8, 1976 to December 10, 1976 afternoon in the leave vacancy of Shri P. S. Gheverghese, Security Officer, NAPP.

R. K. BALI, Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 15th December 1976

No. DPS/A/12024/4/76/Est/17672.—Consequent on his selection by the cadre authority in the Department of Atomic Energy for appointment to the post of Assistant Accounts Officer and his posting to the Directorate of Purchase and Stores, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Thekkevedu Mathal Alexander a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and a temporary Assistant Accountant in the Directorate of Purchase and Stores to officiate as an Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the same Directorate with effect from the forenoon of November 19, 1976 until further orders.

The 20th December 1976

No. DPS/A/12024/5/76/Est/18140.—Consequent on her selection by the Cadre Authority for appointment to the post of Accounts Officer-II and her posting to the Directorate of Purchase and Stores, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Smt. B. Shakuntala, a permanent Accountant in the Directorate of Purchase and Stores

to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 in the same Directorate with effect from the forenoon of July 12, 1976 until further orders.

2. The *ad hoc* appointment of Smt. Shakuntala as Accounts Officer-II notified vide this Directorate Notification No. DPS/A/11013/65/76/Est/7650 dated June 8, 1976 is restricted upto July 11, 1976 (AN).

V. P. CHOPRA, Administrative Officer.

NUCLEAR FUEL COMPLEX ORDER

Hyderabad-500 762, the 13th January 1977

Ref. NFC/PA.V/20/V-39/230.—WHEREAS it was alleged that Shri G. Vijay Kumar, while functioning as T/B, ZEP, NFC, has been frequently remaining absent from duty without prior permission. He remained absent without prior permission on 6 occasions in 1972, 2 occasions in 1973, 9 occasions in 1974, 16 occasions in 1975 and 2 occasions so far in 1976. The said Shri G. Vijay Kumar is absents from duty with effect from 26-2-1976 without any permission/intimation causing dislocation of work. He has thus contravened the provisions of para 39(5) of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS Memorandum bearing No. NFC/PA.V/20/1696 dated 24-7-1976, informing the said Shri Vijay Kumar of the charge and proposing to hold an inquiry against him was sent by registered post acknowledgement due to the last known addresses of the said Shri Vijay Kumar at Hyderabad.

AND WHEREAS all the communications sent to Shri Vijay Kumar were returned undelivered from the post office with the remarks "Party not available",

AND WHEREAS in the circumstances explained above, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable and expedient to hold an inquiry in the manner provided in the NFC Standing Orders,

AND WHEREAS the undersigned is also satisfied that the said Shri Vijay Kumar has committed a grave misconduct by remaining absent for a prolonged period without permission or intimation and, therefore, is not a fit person to be retained in service,

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under paragraphs 41.2 and 42 of the NFC Standing Orders read with DAE Order No. 28(1)/68-Adm. dated 3-12-1970, hereby removes the said Shri Vijay Kumar from service with immediate effect.

Ref. NFC/PA.V/20/R-304/231.—WHEREAS it was alleged that Shri V. Ramanuja Rao, while employed as T/A, CFFP, has been frequently remaining absent from duty without prior permission and causing dislocation to the work. He remained absent on 1 occasion in 1973, 6 occasions in 1974, 7 occasions in 1975, and on 4 occasions, so far, during 1976. The said Shri Ramanuja Rao is absent from duty unauthorisedly from 1-6-1976, and causing dislocation to the work. The said Shri Ramanuja Rao has thus contravened the provisions of para 39(5) of the NFC Standing Orders.

AND WHEREAS Memorandum bearing No. NFC/PA.V/20/R-304/1924 dated 31-8-1976, informing the said Shri Ramanuja Rao of the charges and proposing to hold an inquiry against him was sent by registered post acknowledgement due to the last known address of the said Shri Ramanuja Rao at Hyderabad.

AND WHEREAS Shri Ramanuja Rao submitted his statement of defence dated 8-9-1976, admitting the charge partly,

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed to conduct the inquiry as required under para 41.2 of the NFC Standing Orders (hereinafter called the said orders),

AND WHEREAS the Inquiry Officer could not conduct the inquiry proceedings as the communications sent to the said Shri Ramanuja Rao to his home town address as well as local

address were returned undelivered from the post office with the remarks "Party not available".

AND WHEREAS in the circumstances, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable and expedient to hold the inquiry in the manner provided in the said orders.

AND WHEREAS the undersigned is satisfied that the said Shri Ramanuja Rao has committed a grave misconduct by remaining absent for a prolonged period without prior permission or intimation and, therefore, he is not a fit person to be retained in service,

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under paragraphs 41.2 and 42 of the said orders read with the DAE Order No. 28(1)/68-Adm. dated 3-12-1970, hereby removes the said Shri Ramanuja Rao from service with immediate effect.

H. C. KATIYAR, Dy. Chief Executive.

Hyderabad-500 762, the January 1977

No. PAR/1704/56.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Smt. Janaki N. Bharathan, an officiating Upper Division Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 30-11-1976, FN, until further orders.

U. VASUDEVA RAO, Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 14th January 1977

No. RAPP/Rectt./9(12)/77/482.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri P. V. Sundararajan, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant of Reactor Research Centre to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in Rajasthan Atomic Power Project with effect from the Forenoon of 10th January, 1977 until further orders.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E).

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 15th December 1976

No. 5(23)/76-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri Sole Rayappa, a permanent Sub-Officer (Fire) as Station Officer in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of December 15, 1976, until further orders.

The 21st December 1976

No. MAPP/23(2)/75-Estt.—Shri S. Ananthan, a temporary Cost Accounts Officer, is designated as Accounts Officer II in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from October 19, 1976.

K. BALAKRISHNAN, Administrative Officer.

The 29th December 1976

No. MAPP/3(1168)/76-Adm.—Shri D. Krishnamurthy, a permanent Section Officer (Accounts), South Central Railway is appointed as Assistant Accounts Officer in officiating capacity in this Project with effect from the forenoon of December, 16, 1976 until further orders.

K. BALAKRISHNAN, Administrative Officer
for Director, PPED.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 6th January 1977

No. AMD/1/24/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. S. Asokan, Permanent Stenographer (Sr.) of Nuclear Fuel Complex as Assistant Personnel Officer in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28 December, 1976 until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 5th January 1977

No. RRC-II-84(14)/75-120.—Consequent on his permanent transfer to this Centre from the Tata Institute of Fundamental Research, Bombay, the Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri SURIYANARAYANA SARMA PANCHAPAKESIN a Scientific Officer SB of Tata Institute of Fundamental Research as a Scientific Officer/SB in the Reactor Research Centre, Kalpakkam in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 10, 1976 until further orders.

R. PARTHASARATHY, Chief Administrative Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 14th January 1977

No. E(1)07061.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Rangarajan, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of SIXTY days with effect from the forenoon of 13-12-76 to 10-2-77.

Shri Rangarajan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to Meteorological Centre, Trivandrum under the Director Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)04281.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. V. Pundle, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of FORTY EIGHT days with effect from the forenoon of 15-12-76 to 31-1-1977.

Shri S. V. Pundle, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)04260.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri T. M. Sambamurthy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fortyeight days with effect from the forenoon of 15-12-76 to 31-1-77.

Shri T. M. Sambamurthy, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 1st December 1976

No. A. 32013/6/76-EH.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Sharma, permanent Senior Aircraft Inspector, to the post of Deputy Director (Air Safety), purely on *ad hoc* basis, with effect from the 2nd July, 1976 for a period of six

months or until the post is filled on a regular basis by direct recruitment through U.P.S.C. whichever is earlier.

P. C. JAIN, Assistant Director of Administration.

New Delhi, the 12th January 1977

No. A. 32014/3/75-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following Assistant Aerodrome Officers upto the 31st March, 1977 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:—

S.No.	Name	Station of posting
1.	Shri D.K. Guha	Dum Dum
2.	Shri Sarup Singh	Palam
3.	Shri Sarinder Singh	Santacruz
4.	Shri J. S. Sethi	Santacruz
5.	Shri N. G. Gidwani	Palam
6.	Shri N.V. Dhanapal	Madras
7.	Shri D.R. Malik	Jaipur
8.	Shri S. M. Kaushal	Raipur
9.	Shri S. T. Thomas	Madras
10.	Shri G. P. Vardarajan	Madras
11.	Shri P. P. G. Nair	Visakhapatnam
12.	Shri M.K. Banerjee	Dum Dum
13.	Shri M. Govindarajan	Tiruchirappalli
14.	Shri A.C. Raizada	Safdarjung
15.	Shri Sotantar Lal	Jammu
16.	Shri S.K. Sen	Dum Dum
17.	Shri K.K. N. Pillai	Cochin
18.	Shri D.P. Mazumdar	Dum Dum
19.	Shri S. Ibrahim	Madras
20.	Shri A.B. Dutta	Dum Dum
21.	Shri L.P. Sinha	Muzaffarpur
22.	Shri K.C. Chandwani	Ahmedabad
23.	Shri O.P. Bhatnagar	Palam
24.	Shri J.K. Misra	Varanasi
25.	Shri S. Basu Mallick	Dum Dum
26.	Shri G.S. Rajamani	Madras
27.	Shri Manvir Singh	Lucknow
28.	Shri Jagjit Singh	Safdarjung
29.	Shri J.C. Kar	Patna
30.	Shri J.M. Tikanddas	Safdarjung
31.	Shri A.K. Roy	Tulihal
32.	Shri Amar Sharma	Mohanbari
33.	Shri P.B. Mathur	Juhu
34.	Shri L.R. Morah	Dum Dum
35.	Shri H.S. Sandhu	Amritsar
36.	Shri K.M. Haridas	Santacruz
37.	Shri K.C. Jharia	Juhu
38.	Shri C.V. Joseph	Tirupathi

V. V. JOHRI

Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 14th January 1977

No. A.39012/1/74-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri T. S. Prakash, Technical Officer in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from the 1-1-1975 (FN).

The 15th January 1977

No. A.32013/1/76-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. Santhanagopalan, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Trivandrum to the grade of Assistant Communication Officer in

an officiating capacity with effect from the 9-12-1976 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Bombay.

S. L. KHANDPUR, Asstt. Director (Admn.).

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 15th January 1977

No. 1/411/76-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri J. M. D'Silva, Supervisor, O.C.S. Bombay Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 11-5-76 to 10-7-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

No. 1/411/77-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri J. M. D'Silva, Supervisor, O.C.S., Bombay Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 20-10-76 to 18-11-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer.
For Director General.

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 12th January 1977

No. 76/EB/1504.—It is hereby notified for general information that the section from Km. 572 to Km. 578 including Rayanapadu station and yard has been transferred from the jurisdiction of Secunderabad Division of South Central Railway to the Vijayawada Division of the same Railway with effect from 1-10-1976.

The adjustment has been made in the interest of the Railway's day-to-day administration for improving the operational efficiency in the area.

B. MOHANTY, Secy. Railway Board
& *ex-officio* Joint Secretary.

NORTHERN RAILWAY, HEADQUARTERS OFFICE,

New Delhi, the 10th December 1976

No. 18.—Shri Pran Nath W.E.E./ASR has finally retired from Railway Service with effect from 31-8-1976 afternoon.

S. C. MISRA,
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY GENERAL MANAGER'S OFFICE.

(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 13th January 1977

No. E/55/III/93(0).—Shri K. K. Gupta Offg. Deputy Chief Signal and Telecommunication Engineer, Northern Railway is confirmed in Senior Scale on this Railway in the Indian Railway Service of the Signal and Telecommunication Engineers with effect from 24th December, 1970.

G. H. KESWANI, General Manager.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Derby Agencies Private Limited.

New Delhi, the 14th January 1977

No. 2207—974.—Notice is hereby given pursuant to sub section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the *Derby Agencies Private Limited*, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

M. M. S. JAIN, Asstt. Registrar of companies,
Delhi & Haryana.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, DELHI-III

New Delhi, the 29th December 1976

INCOME-TAX

F. No. CIT/HQ-III/JUR/76-77—In partial modification of this office Notification F. No. CIT/H.Q. III/JUR/76-77/7288 dated 19/22nd May, 1976 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other enabling powers in this behalf the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi hereby directs that the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, mentioned in column 1 of the Schedule herein below shall perform all the functions of an Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax under the said Act in respect of such area or of such persons or classes of persons or of such income or classes of income or of such cases or classes of cases as fall within the jurisdiction of the Income-tax Officers of the Districts/Circles mentioned in column 2 of the said Schedule given below :—

SCHEDULE

Range	Income-tax District/Circle
1	2
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Range-IV-E, New Delhi.	Distt.-VIII(3) (formerly Spl. Cir. XIII) Distt.-X(3) (formerly Spl. Cir. XI) Dist-X(11) (formerly Spl. Cir. XII) Spl. Circle. VI. Spl. Circle. VI (Addl.) Spl. Circle. X. Spl. Circle. XIV. Spl. Circle. XVI.

This order shall take effect from 3rd January, 1977.

ORDER

No. JURDLI/CIT/H.Q.III—In supersession of this office Notification No. JUR-DLI/Range-XI/73-74/8168 dated 28th September, 1973 and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-III, New Delhi, hereby directs that the Income-tax Officers whose present designation

is specified in Column 2 of the table below shall be redesignated as specified in Column (3) of the said table :—

TABLE

S.No. Present designation of ITOs. New Designation of the ITOs.

1. Income tax Officer, Spl. Circle-XI, New Delhi.	Income-tax Officer, Distt.-X(3), New Delhi.
2. Income-tax Officer, Spl. Circle XII, New Delhi.	Income-tax Officer, Distt.X(11), New Delhi.
3. Income-tax Officer, Spl.Circle XIII, New Delhi.	Income-tax Officer, Distt.VIII(3), New Delhi.

This order shall take effect from 3rd of January. 1976.

A.C JAIN
Commissioner of Income-tax,
Delhi-III, New Delhi.

New Delhi, the 10th January 1977

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/IV/76-77/41950.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him

in this behalf, the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Districts/ Circles shall be revived in Delhi-II charge, New Delhi with effect from 10-1-1977.

(1) Company Circle—XXII, New Delhi.

JAGDISH CHAND,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-II, New Delhi.

New Delhi, the 14th January 1977

INCOME-TAX

No. JUR-DLI/1/76-77/42570.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 123 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-V, New Delhi hereby directs that the following Income-tax Range shall be created with effect from 17-1-77.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Delhi Range-V-D, New Delhi.

S. D. MANCHANDA,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-V, New Delhi.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1977

Ref. No. 74-B(A).—Whereas, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 42/39 situated at Moh. Sewachaudhry Ki Gali, city Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an Varanasi on 18-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girdhar Dass, Grees Kumar, Narottam Dass Nager, Jamuna Dass Nager, Anul Nager, Ganga Dass Nager, Anil Nager, Anoop Nager, Ashish Nager, Mukand Dass Nager, Ashish Nager, Bhagwan Dass Nager, Sautish Kumar Nager, Gularh Kunwar Gopi Kunwar.

(Transferors)

- (2) Ballabha Vidyapeetha Registered Sansthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 42/39 situated at Moh. SEWA CHAUDHRY KI GALLI, CITY VARANASI.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th January 1977

Ref. No. 74-B(B)/Acq.—Whereas, I, F. REHMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 42/40 & 42/41 situated at City Varanasi Moh. Sewa Choudhry Ki Gali Santiker Bhairon Nath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 18-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girdhar Dass, Grees Kumar Nager, Narottam Dass Nager, Jamuna Dass Nager, Atul Nager, Ganga Dass, Anil Nager, Ashish Nager, Mukund Dass Nager, Ballabha Dass Nager, Bhagwan Dass Nager, Satish Kumar Nager & Smt. Gulab Kunwar & Gopi Kunwar.

(Transferor)

- (2) Ballabha Vidyapeeth through Sri Bharat Narayan Gupta, Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 42/40 & 42/41 situated at Moh. Sewa Choudhry Ki Gali Santi Ker Bhairon Nath, City Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-1-77

Seal :

FORM ITNS

(1) Mohd. A. Kmal, Smt. Husaina Khatoon, Smt. Rizwana Khatoon, Smt. Rummana Khatoon,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajendra Prasad, Bishnu Kumar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.
(Person in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 10th January 1977

Ref. No. 111-R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 535 & 536 situated at Moh. Gulam Alipura, Behraich

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Behraich on 17-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single storeyed house No. 535 & 536 situated at Moh. Gulam Alipura Distt. Behraich.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 10-1-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th January 1977

Ref. No. 112-R/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 779 situated at Moh. Babhan Gawan Gandhi Nagar, Basti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basti on 17-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

9—446 GI/76

(1) S/Shri Jogendra Singh, Pritam Singh, Ranjeet Singh, Avtar Singh, Rajwant Kaur, Smt. Maya Devi, Smt. Rajendra Kaur, Smt. Mahendra Kaur.
(Transferor)

(2) Shri Raju Fagwani, Suresh Kumar Fagwani, Harish Kumar Fagwani, Dharmendra Kumar Fagwani.
(Transferee)

(3) Shri Jogendra Singh as above.
(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 779 situated at Moh. BABHAN GAWAN Gandhi Nagar, Basti.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhagmal S/o Shri Naval Chand Jain R/o Vidisha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Sitaram,
2. Shri Bhagwan Singh Both sons of Shri Nathuram Nena, R/o Village Budhore Tah. Berasia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th January 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/782.—Whereas, I. V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the 'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 8,570 hectares situated at Village-Parasi Gujar, Tah-Vidisha situated at Will. Parasi Gujar, Tah. Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 25-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8,570 hectares situated at Village Parasi Gujar, Tah. Vidisha.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 12th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th January 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/783.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Survey No. 1203/2, 1202, 1207, 1208/1, 1204, 1237, 1205, 1216/2, 1215/2, 1214/2 Total area 28 acres situated at Birlagram, Nagda, Distt. Ujjain situated at Birlagram, Nagda, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khachrod on 10-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bharat Commerce & Industries Ltd., Birlagram, Nagda, Head Office : Surya Kiran, 5th Floor, 19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi, Through Shri K. C. Dhanuka, House President Finance.
(Transferor)

(2) The Gwalior Rayon Silk Manufacturing (WVG.) Co. Ltd., Birlagram, Nagda, Pargana, Khachrod, Distt. Ujjain, Through Shri I. H. Parikh, President.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Survey No. 1203/2, 1202, 1207, 1208/1, 1204, 1237, 1205, 1216/2, 1215/2, 1214/2—Total Area 28 acres situated at Birlagram, Nagda, Distt. Ujjain (MP).

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 12th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pyari Bai Alias Ram Pyari Bai Wd/o Shri Somat Singh Dongi, R/o Gram Tilak, Tah. Vidisha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th January 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/784.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land KH. No. 17, Rakba 13.305 Hectares, situated at Gram Tilak, Tah. Vidisha, situated at Gram Tilak, Tah. Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 20-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1. Shri Kailash Singh S/o Shri Nirbhay Singh.
2. Shri Shivraj Singh (Minor) S/o Shri Nirbhay Singh. Both R/o Gram Tilak, Tah. Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land KH. No. 17, Rakba 13.305 Hectares, situated at Gram Tilak, Tah. Vidisha.

V. K. SINHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 12th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Bhagwandas S/o Balle Patel, R/o Bhagwanganj, Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ashapuri Saw Mills, Bhopal Road, Bhagwanganj, Sagar Through Shri Dhannaram S/o Maniram Patel, Bhagwanganj, Sagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 18th January 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/789.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land Mouja No. 443 p.h. No. 79, KH.No. 72/2, land 6230 sq ft. situated at Bhagwanganj, Sagar (Bhopal Road) situated at Bhagwanganj, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 22-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mouja No. 443 p.h. No. 79, KH. No. 72/2, Land 6230 sq. ft. situated at Bhagwanganj, Sagar (Bhopal Rd.).

V. K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 18th January, 1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Mongibhai Premji.
Narayan Building, V. P. Road, Bombay-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jagdish Builders.
Dev Daya, Vishnu Nagar,
Naupada, Thana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA,
KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411 004, the 11th January 1977

Ref. No. CA/5/Bombay(Thana)/May'76/314/76-77.—

Whereas, I, V. S. Gaitonde
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

S. No. 91, Hissa No. 2 (Part) situated at Naupada, Thana,
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering officer at

S. R. Bombay on 5-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid ex-
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the consi-
deration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respec-
tive persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold land situated at Naupada, Taluka & Dist. Thana
bearing S. No. 91, Hissa No. 2 (Part) admeasuring 9000
sq. yds.

(Property as described in the sale deed registered under
R. No. 1426 dated 5-5-76 in the office of the S. R. Bombay).

V. S. GAITONDE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date : 11-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, SMT. KGMP AYURVEDIC
HOSPITALBLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th January 1977

Ref. No. ARI/1630-8/May 76.—Whereas, I, V. R. Amin, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CSN 1543 of Fort Division, situated at Backbay Reclamation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shavak Sorabji Shavakush & Mrs. Nergish Homi Banji, Mrs. Amy Fisdous Jehangir, Mr. Jehangir P. Shavaksha.

(Transferor)

- (2) The Jam Shri Ranjitsinghji Spg. & Wvg. Mills Co. Ltd.

(Transferee)

SORAB MANSION PLOT NO. 109 BBR
List of tenants as on 1st November 1969

Mrs. M. A. Gokal
Military Estate Officer,
B & G, Colaba, Bombay 5.
Mr. Parajape.
Mr. Choudhary.
Punager Brothers.
1. Vestap, 2. Edelji 3. Homi
Mr. & Mrs. K. D. Mehta.
Mr. M. P. Lala
Mrs. B. K. & Miss M. K. Commissariat
Mrs. Nargis H. Banaji
The Manager, Govt. of India Estate.
Mr. & Mrs. F. D. Jehangir
Compensation Officer.
H. B. Dastoor,
Military Estate Officer (Synd.).

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE FIRST SCHEDULE ABOVE REFERRED TO :

All that piece of land known as Plot No. 109 in Block II of the Backbay Reclamation Estate of the Government of Bombay within the City and Registration Sub-District of Bombay together with the message tenements and buildings standing thereon and containing by admeasuring one thousand four hundred and thirty eight sq. yds. i.e., one thousand two hundred and two sq. metres or thereabouts and registered in this books of the Collector of Bombay under Rent Roll No. 110015 and bearing Cadastral Survey No. 1543 of the Fort Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal rates and taxes under A Ward No. 1315(12) St. No. 26 Queens Rd. and bounded as follows, that is to say, on or towards the North by Plot No. 108, of the said Estate, on or towards the south by Dinshaw Vachha Road, on or towards the East by Queens Road and on or towards the West by Plot No. 110 of the said Estate.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bombay

Date : 15 January 1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th January 1977

Ref. No. AR-I/1633-11/May 76.—Whereas, I. V. R. Amin, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 390 of Fort Div. situated at Ghoga street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 13-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gopaldas Morarji, Tarabai Premji, Jai Keshavji, Jairaj Gopaldas, Tara Jairaj, Jignya Jairaj and Trupai Jairaj (Minor) Mansinh Ratansey, Jaisinh Ratansey, Haresh Ratansey, Rajendra Ratansey, Kiran Keshavji, Rajni Mansingh, Jayashree Jaisingh, Keshavji and Bindu Mansingh and Alpa Mansinh (Minor).

(Transferor)

(2) Sukhraj Jain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of Government land or ground together with the messuages, tenement dwelling house and premises standing thereon situate lying and being at Ghoga Street within the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban and registered by the Collector of Land Revenue under Collectors Old No. 212 New No. 5076 Old Survey No. 328 and New Survey No. 9340 and Cadastral Survey No. 390 of Fort Division and assessed by the Municipality of Bombay under A Ward No. 1687 and Street No. 19-21 containing by admeasurement 65 sq. metres or 78 sq. yards be the same little more or less and bounded as follows :—that is to say on or towards the east by the property of Pestonji Nowroji, on or towards the West by the property of Sorabshaw Byramji Doceor, on or towards the North by Todi Street or Ghoga Street aforesaid and on or towards the South by the house of heirs of Framji Wadi.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bombay

Date : 15th January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th January 1977

Ref. No. AR-I/1651-8/May 76.—Whereas, I, V. R. Amin, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. C.S. 605 of Malabar & Cumballa Hill Division, situated at August Kranti Marg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-5-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

10—446GI/76

(1) Smt. Dossa alias Dee D/o Tehmina P. Joshi and widow of Adarbad B. Irani.

(Transferor)

(2) Smt. Jaya V. Sheth.

(Transferee)

(3) 1. Mr. J. Lala, 2. Dr. P. D. Metiwalla, 3. Mr. D. E. Dubash, 4. Mrs. N. Doctor, 5. Mr. V. V. Sheth & Ors, 6. Dr. Daryush Irani, 7. Apki Dukan, 8. Mr. Gopinath Hari, 9. Mr. H. H. Shah.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of pension and Tax Tenure (Redeemed) situate lying and being at the junction of Cumballa Hill Road and Gowalia Tank Road now known as August Kranti Marg without the Fort of Bombay in the Registration Sub-District Bombay City and Bombay Suburban admeasuring 656.36 square metres equivalent to 785 square yards or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under Old No. 328 New No. A3/2132 Old Survey No. 67 and New Survey No. 6C/7128 (part) and 1/7128 (part) and Cadastral Survey No. 605 of the Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by Municipal Corporation of Greater Bombay under "D" Ward Nos. 3404 (1F and IFFF) and Old Street No. 103 Gowalia Tank Road and New Street Nos. 134-138-16 August Kranti Marg and Street No. 16A Cumballa Hill Road and bounded as follows : that is to say, on or towards the North by the property of Mr. Nathalal Amthalal and bearing Cadastral Survey No. 1/605 of the said Division on or towards the South by Gowalia Tank Road now known as August Kranti Marg, on or towards the East by the Cumballa Hill Road and on or towards the West by "Soonama House" the property of Mr. Phiroze Framroze Taraporewalla and other and bearing Cadastral Survey No. 604 of the said Division.

V. R. AMIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Bombay

Date : 15 January, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Khurshed Kaikhushru—Plumber.
Miss. Nargish Kaikhushru—Plumber.
48/50, Walkeshwar Road, Bombay-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Jansietraj K. Govani.
(3) Babulal S. Shah.
Smt. Sitabi Shivrāj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER RANGE-I, SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL
BLDG., 5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400 002, the 15th January 1977

Ref. No. ARI/1722/13/May 76.—Whereas, I V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

CS No. 288 of Malabar-Cumballa Hill Divn. situated at Walkeshwar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 28-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Name of the tenants.

- (3) Manjula Rasiklal Bhat, Sunderben D. Dedhia, Kirit Damodardas Shah, Damodar Jamnadas, Prabhudas D. Patel, Ajitkumar D. Katkoria, Dwarakadas Mulji Bhatia, Manga Ravji, Landlord.

(Persons in occupation of the property) as per list.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT PIECE or parcel of pension and tax tenure land or ground (cess redeemed) containing by admeasurement 1000 sq. yds. equivalent to 836 sq. metres or thereabouts which is shown in Cadastral Survey as 1,130 sq. yds. registered in the books of the Collector of land Revenue under old No. 156 New No. 1451 old Survey No. 17 New Survey No. 8/7288 together with messuages, tenements and bungalows standing thereon situate lying and being without the Fort of Bombay at the Northern Side of Malabar Hill Road, Walkeshwar Road in the Registration Sub-District of Bombay and bearing C.S. No. 288 of Malabar and Cumballa Hill Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under D Ward No. 2491 (4 and 4A) Street No. 95 and bounded as follows: on or towards the northern by the foot of the Upper bridge of Malabar Hill and property of late W.S. Wilson, on or towards the East by the property of Josab Abdul Russeing Heptulla, and on or towards the West by the property of Haji Abdul Satar Hajo Damer.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bombay.

Date : 15-1-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Scindia Investment Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Loyal Co-Op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
SMT. KGMP AYURVEDIC HOSPITAL BLDG.
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay-400002, the 17th January 1977

Ref. No. ARI/1631/9/May 76.—Whereas, I, V. R. AMIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 2 (Part) and C.S. No. 2 of Worli Division situated at Dr. Annie Besant Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 15-5-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The First Schedule Above Referred to

All those pieces or parcels of freehold land together with the messuages tenements and dwelling houses and all other structures and open land containing by admeasurement 21000 square yards (ie. 17558.10 square metres) or thereabouts situate at Dr. Annie Besant Road, Worli, bearing part of Cadastral Survey No. 2 of Worli Division in the registration district and sub-district of Bombay and bounded as follows that is to say on or towards the East by Dr. A. B. Road, on or towards the West by Arabian Sea, on or towards the North by property bearing C.S. No. 2 (part) belonging to Shiv Sagar Estate and on or towards the South by land bearing C.S. No. 1 and the said property is assessed by the Assessor and Collector under "G" Ward, Nos. 9(2) to 9(8) and Street Nos. 164A to 164G.

The Second Schedule above referred to

All those pieces or parcels of freehold land together with the messuages tenements and dwelling house and all other structures and open land all containing by admeasurement 10600 square yards or 8862.66 square metres on thereabouts situate at Dr. Annie Beasant Road, Worli, Bombay, bearing part of Cadastral Survey No. 2 of Worli Division in the registration district and sub-district Bombay and delineated on the plan hereto annexed and thereon surrounded by a red coloured boundary line and bounded as follows, that is to say on or towards the East by Dr. Annie Beasant Road on or towards the west by the other property of the Vendors on or towards the North by the Property of the C.S. No. 2 (PART) belonging to Shiv Sagar Estate and on or towards the south by access Road and beyond that by land bearing C.S. No. 1 and the said property is assessed by the Assessor & Collector under "G" Ward Nos. 9(2) to 9(8) and Street Nos. 64A to 164G.

The Third Schedule Above referred to

All, those pieces or parcels of freehold land together with the message tenements and dwelling houses and all other structures and open land all containing by admeasurement 10400 square yard or 8695.44 square metres or thereabouts situate at Dr. Annie Beasant Road, Worli Bombay bearing part of Cadetral Survey No. 2 of Worli Division in the registration district and sub-district Bombay and bounded as follows that is to say on or toward the (East by Dr. A. B. Road on or towards the West by Arab sea on or towards the North partly by property bearing C.S. No. 2 (part) belonging to Shivsagar Estate and partly by land more particularly described in the second Schedule herein above write and or towards the South by and bearing C.S. No. 1.

V. R. AMIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay.

Date : 17-1-77
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ishverlal Maganlal Desai;
Kaliawadi, Desai Falia,
Tal. Navsari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDBAD-380 009.

Ahmedabad-380009., the 19th January 1977

Ref. No. P.R. No. 505 Acq. 23-895/7-4/76-77.—Whereas,
I P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Rev. Sur. No. 120/5, 120/6, 120/3 and 119/4 situated
at Kabilpore Road, Near Navsari Stone Co., Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Navsari on 8-6-1976
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Rev. Sur. No. 119/4, 120/5 and 120/6 of
Kabilpore, situated at Kabilpore Road, Near Navsari Stone
Co. Navsari admeasuring A. 0-28 gunthas as described in the
sale deed registered under Registration No. 727 registered
in the month of June, 1976 by the registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 19th January, 1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Omkargiri Kashigiri,
Giri Bhavan, Ahmedabad-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

(2) M/s. Rasiklal & Co.,
through its partners Shri Rasiklal Mohanlal &
others, C/o Shah Bros.
178/1, Golwad, Ratan Pole,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380009, the 18th January 1977

Ref. No. P. R. No. 504 Acq. 23-894/13-7/76-77.—Whereas,
I P. S. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000
S. No. 689, 690 and 692 situated at Near Rly. Lines,
Mehmedabad, Dist. Kaira
Gandhinagar, Bangalore-9,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
Registering Officer at
Sub-Registrar, Mehmedabad on May, 1976
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing S. No. 689, 690 and 692 situated at near
Railway Lines, Mehmedabad, Dist. Kaira, admeasuring 6
acre, 21 gunthas (i.e. 31581 sq. yds.) as described in the sale
decd registered under registration No. 868 in the month of
May, 1976 by the registering Officer, Mehmedabad.

P. N. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 18-1-77

Scal :

FORM ITNS

(1) Smt. Ratanben, daughter of Jasinghbhai Sarabhai, Jain Co-op. Housing Society, Ltd., Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 21st January 1977

Ref. No. P. R. No. Acq. 23-I-1161 (557)/1-1/75-76.—
Whereas, I J. KATHURIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as in the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Survey No. 61, 62, 72 of Kalupur Ward No. 3 situated
at Census No. 35-1, 25-1-1, situated Near Ratanpole,
Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Ahmedabad on 16-6-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

(2) (1) Shri Mafatlal Rajmal Desai,
for self & as a guardian of minors
(a) Navinchandra Mafatlal Desai,
(b) Prakash Mafatlal Desai,
(2) Shri Pravinchandra Mafatlal Desai,
(3) Shri Hasmukhlal Mafatlal Desai,
Mandvini Pole, Malina Khancha, Ahmedabad.

(3) The Madhavpur Mercantile Co-op. Bank Ltd.,
Ratanpole, Ahmedabad.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property bearing Survey Nos. 61, 62 and
72, Census Nos. 31-1, 35-1-1 of Kalupur Ward No. 3, com-
prising of 1st, 2nd and 3rd floors and situated near Ratanpole,
Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 21-1-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 47/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 234/2, 4 & 5, situated at Kamalapuram village, Salem district (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur (Doc No. 1124/76) on June, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri K. V. Venkatachala Iyer, Smt. Nagalakshmi, W/o. Shri Venkatachala Iyer, Shri V. Venkataraman, Kamalapuram P.O., Omalur Taluk, Salem District.
- (2) Smt. Saraswathi Ammal, W/o. Shri A. Perumal Gounder, Salathampatti village, Karuppagoundanoor, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.17 acres at Kamalapuram village, Salem district in the following survey Nos.

	Acre	Cent	
Survey No. 234/2	3	29	
Survey No. 234/5	0	82	
Survey No. 234/4	0	06	(with well, 5HP motor pumpset)
Total	4	17	

G. RAMANATHAN
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th January 1977

Ref. No. 48/JUNE/76-77.—Whereas, I G. RAMA-NATHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 234/3, 6 & 7 and 229/3, situated at Kamalapuram village, Salem district

Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Omalur (Doc. No. 1125/76) on June, 1976

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. V. Venkatachala Iyer,
Smt. Nagalakshmi, W/o. Shri Venkatachala Iyer,
Shri V. Venkataraman, S/o Venkatachala Iyer,
Kamalapuram P.O., Omalur Taluk, Salem District.
(Transferor)

(2) Shri A. Perumal Gounder,
S/o Arumugha Gounder,
Selathampatti village,
Karuppagoundanoor, Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4.75 acres in survey Nos. 234/3 (2.03 acres), 234/6 (0.67 acres), 234/7 (0.67 acres) and 229/3 (1.38 acres with well) at Kamalapuram village, Salem district.

G. RAMANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 12-1-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. D. Sarojini, W/o Shri Doraiswami Chettiar,
18/140 Okkiligar St., Coimbatore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri N. Kandaswami, S/o Shri K. Nanjai Gowder,
No. 22/28 & 29 Uppu Kinar Lane, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 13th January 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. F 2892/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/54, situated at Uppukinar Lane, Raja St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Coimbatore (Doc. No. 1459/76) in May 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

11—446GI/76

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1893 Sq. ft. (with building) situated at Door No.22/54 Uppu Kinar Lane, Raja St., Coimbatore (New T. S. No. 745 and 747).

S. RAJARATNAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 13-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th January 1977

Ref. No. 2954/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66 to 73, 73-A, 240 to 242, situated at Tirupur Road-Palani-Pollachi Road, Udumalpet. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. No. 1432/76) on 25-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sivagami Achi, W/o Shri Chidambaram Chettiar, Pudukavayal, Tirupathur Taluk; &
2. Smt. Salai Achi, W/o Shri Muthuveerappa Chettiar, Pallathur. (Transferor)
- (2) Shri M. K. Subramania Chettiar, S/o Shri Kuttiyappa Chettiar, Malayandi Chettiar Lane, Udumalpet. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring (about) 97½ cents (with buildings) situated at Door Nos. 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73 & 73-A, Tirupur Road and Door Nos. 240, 241 & 242 Palani Road, Udumalpet (Ward No. 6).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-1-77.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. E. Olimuthu
Central House,
Kodaikanal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. K. M. A. Ansar
Proprietor, Naazerene Research Institute
No. 4, V.O.C. Nagar,
Thanjavur
Pin 613 007.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 18th January 1977

Ref. No. F.3603/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, V.O. Chidambaram Pillai Road, situated at Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSR I, Thanjavur (Doc. No. 1418/76) on 17-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 19167 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 4, V.O. Chidambaram Pillai Nagar, Thanjavur (T.S. No. 3106 and 3107).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th January 1977

Ref. No. F.4002/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. , situated at 11/240 Shastri Road, Coimbatore (As per Valuation Officer's report) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR Coimbatore (Doc. No. 1704/76) on 27-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Thangavelu
Shri M. Rangasamy and
Shri M. Ramasamy
No. 1 Lawsons Road,
Tiruchirappalli-1.

(Transferor)

(2) Shri A. Rajagopal
Shri A. Nithianantham; and
Shri A. Vitalanathan
S/o Shri A. S. C. Anniah Chettiar
Door No. 13/63 Extension No. 2
6th Street, Gandhipuram
Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

In Coimbatore Town, Shastri Road, in Old T.S. No. 9/288/4 New T.S. No. 9/154—a terraced and tiled house (in 54 cents of house site).—D. Nos. 11/241, 11/240-A, 11/241A and 148.

(Land & building at 11/240 Shastri Road, Coimbatore—as per Valuation officer's report).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. V. S. Murugesu Mudaliar & Co.
by partner Shri M. S. Mariappa
Trustees of V. S. Murugesu Mudaliar, Erode.

(Transferor)

- (2) Shri P. V. Vaiyapuri Mudaliar
S/o Shri Venkatrama Mudaliar
No. 16 Vaithyalingam Pillai St.,
Trichengode, Salem Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

MADRAS-6, the 17th January 1977

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein, as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. F.40598/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

No. 158, situated at Brough Road, Erode
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
JSR I Erode (Doc. No 1424/76) on 24-5-1976
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 7800 Sq. ft. (with building) situated at
Door No. 158, Brough Road, Erode (15th Ward) (T.S. No.
276/2).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 17-1-77.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th January 1977

Ref. No. F.5203/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 6-A, H.D. Rajah Nagar, situated at Teynampet, Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka in April 1976

Mylapore, Madras (Doc No. 661/76) on 10-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri P. Muthukrishnan
No. 53 Easwaran Koil St.,
West Mambalam, Madras-33.

(Transferor)

- (2) Shri K. G. Ramamurthi Iyer
No. 30/5 Chamlers Road,
MADRAS-28.

(Transferee)

- (3) 1. Shri H. Pukraj Sowcar; No. 341 Triplicane High Road, Madras-5;
2. Shri Dhakshinamurthy & Smt. Subbammal No. 6A, H. D. Raja Nagar, Eldams Road, Madras-18; and
3. Mrs. M. Vijayalakshmi, No. 6, II St., Kumaran Colony, Madras-26.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring one ground and 1275 Sq. ft. situated at No. 6A, H.D. Raja Nagar, Eldams Road, Teynampet, Madras (R.S. No. 1545/18) (with building).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th January 1977

Ref. No. F.5205/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. 50, Sir Thyagaraya Road, situated at Madras-17 (4 ground and 191 Sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I, Saidapet (Doc. No. 319/76 on 5-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mrs. Balam Janakiram
2. Mrs. Lakshmi Rauschenback (represented by Mrs. Balam Janakiram);
3. Shri K. J. Seetharaman
S. 49, First Avenue, Shastri Nagar, Madras-20,
4. Mrs. Kalyani Iswaran
No. 224, 4th Avenue, Indira Nagar, Madras-20;
5. Shri K. J. Ramaswami; and
6. Deepak Ramaswami (Minor) (represented by Shri K. J. Ramaswami)
No. 33, First Avenue, Shastri Nagar, Madras-20.

(Transferor)

- (2) Smt. G. P. Vasanthi &
Smt. G. V. Jayalakshmi
No. 54, Acharappan St.,
G.T. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4 grounds & 191 Sq. ft. (with out-house) situated at Door No. 50, Sir Thyagaraya Road, T. Nagar, Madras-17 (T.S. Nos. 6516 and 9327) (R.S. No. 16/1, 121/1 and 1221/1 (Parts)

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.

Seal.

FORM ITNS—

(1) Shri R. Krishnaswami
Plot No. 11 Raghava Veera Avenue, Poes Garden,
Madras-86.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. Narasimhan
"Bader"
Plot No. 11, Raghava Veera Avenue,
Poes Garden, Madras-86.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th January 1977

Ref. No. F.5251/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R.S. No. 3673/8, situated at Prithvi Avenue, Abhiramapuram, Madras-18 (2 ground & 1635 Sft. of site) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 725/76) on 15-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2 grounds and 1635 Sq. ft. and bearing R.S. No. 3673/8 situated at Prithvi Avenue, Abhiramapuram, Madras-18.

S. RAJARATNAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 18-1-77.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri M. S. Patabhi Raman
Shri M. S. Padmanabhan represented by
his Power of Attorney Shri K. J. Chandran
No. 34/1 Eldams Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri K. Srinivasan
No. 54/6 Kutchery Road,
Vinayaga Nagar, Mylapore. Madras-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5252/76-77.—Whereas, I. S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, Murrays Gate Road, situated at Madras (land admeasuring 2284 Sft.) situated at Nunjai Edayar village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 726/76) on 25-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 2284 Sq. ft. situated at Door No. 17, Murrays Gate Road, Madras-18 (R.S. No. 1458/13 and 1548/1 Part).

S. RAJARATNAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—446G1/76

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrns-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5252/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

17, Murrays Gate Road, situated at Madras-18 (3465 Sq. ft. of site) (with building) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 732/76) on 25-5-1976 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri M. S. Pattabhi Raman
No. 34/1 Eldam, Road, Madras-18.

2. Shri M. S. Parmanabhan represented by his power of attorney Shri K. J. Chandran No. 54/6
Kutcheri Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri K. Srinivasan
No. 54/6 Kutcheri Road,
Vinayaga Nagar, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3465 Sq. ft. (with building) situated at Door No. 17, Murrays Gate Road, Teynampet, Madras-18 (R.S. No. 1548/13 and 1548/1 Part).

S. RAJARATNAM

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 15-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 17th January 1977

Ref. No. 5273/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6 Harleys Road, Kilpauk, situated at Madras (22 grounds and 2291 Sq. ft of land) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puraṣawakkam, Madras (Doc. No. 757/76) on 24-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957) (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri G. Laxman Ramakrishna (Minor)
S/o Dr. G. Ramakrishna
(Represented by his father and guardian
Dr. G. Ramakrishna
No. 6/4 Harleys Road, Kilpauk,
Madras-10,

(Transferor)

(2) The Centaur Cooperative Building
Society Ltd.
No. 151 Mount Road, Madras-2,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 22 grounds and 2291 Sq. ft. situated at No. 6 Harleys Road, Kilpauk, Madras-10 (R.S. No. 3140/15 of Puraṣawakkam).

S. RAJARATNAM
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 17-1-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5246/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, Greams Road, Madras-6, situated at (Plot No. 2) 1/5th share in 4 Grounds & 940 Sft. & 4200 Sft. in II Floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras-17 (Doc. No. 612/76) on 25-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. M. Thirunavukarasu
3. M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony,
Mylapore, Madras-4.
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) S. H. Najmunnissa (Minor)
represented by father and guardian
Shri S. E. A. Haja Maideen
No. 31 Hameedia St., Koothanallur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share and interest in 4 Grounds & 940 Sq. ft. bearing Plot No. 2, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6 together with the unfinished columns (pillars) only in the II Floor having a plinth area about 4200 Sq. ft. in the II Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 15-1-1977
Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. M. Thirunavukkarasu
3. M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony,
Mylapore, Madras-4.
4. Shri T. Govindasamy
No. 62/B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) S. H. Shamsad Begum (Minor)
represented by father and guardian
Shri S. E. A. Haja Maideen
No. 31 Hameedia St., Koothanallur,
Tanjore Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5246/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 2, Grems Road, situated at Madras-6 (1/5th share in 4 ground & 940 Sft. & 4200 sft in III Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 613/76) on 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share and interest in 4 Grounds & 940 Sq. ft. situated at Plot No. 2, R.S. No. 43/4 Grams Road, Madras; and a plinth area of about 4200 Sq. ft. in the III Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 15-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5246/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, Greams Road, situated at Madras-6 (1/5th share in 4 ground & 940 Sft. & 4200 Sft. in IV Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 614/76) on 25-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. M. Thirunavukarasu
3. M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony,
Mylapore, Madras-4.
4. Shri T. Govindasami
No. 62/B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri S. H. Nizamuddin
S/o Shri S. E. A. Haja Maideen

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th undivided share and interest in 4 Grounds & 940 Sq. ft. bearing Plot No. 2, R.S. No. 43/4 Greams Road, and a plinth area of about 4200 Sq. ft. in the IV Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 15-1-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th January 1977

Ref. No. F.5247/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 5, (Plot No. 13G) situated at Creams Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sq. ft. in II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 627/76) on 27-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. M. Thirunavukarasu
3. M. Anandhan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4.
4. Shri T. Govindasami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

- (2) Mrs. K. R. A. Tajunnissa
No. 5 Gandhi Nagar, Koothanallur
Tanjore Dist
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th of the undivided share in the vacant land measuring 2 grounds & 559 Sq. ft. situated at Plot No. 13/G R.S. No. 34/4 Creams Road, Madras-6;

1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the second floor over the passage together with the unfinished construction of the plinth area of 600 Sq. ft. in the Second floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5247/76-77.—Whereas, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 (Plot No. 13G), situated at Greams Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sft. in II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 628/76) on 27-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

- (2) Mrs. K. R. A. Kamarunnisha
No. 28 Javla St., Kothanallur
Tanjore Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th share in the land admeasuring 2 grounds & 559 Sft. situated at Plot No. 13/G, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6; & 1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the II Floor over the passage together with the unfinished construction of the plinth area of 600 Sq. ft. in the Second floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 13-1-1977.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5247/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 (Pilot No. 13G), situated at Greaves Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sq. ft. in the II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 629/76) on 27-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
3—446GI/76

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4;
4. Shri T. Govindasami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)

- (2) Mrs. K. R. A. Najumunnissa
No. 5 Gandhi Nagar,
Kootanallur,
Tanjore Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th of the undivided share in 2 grounds & 559 Sq. ft. bearing Plot No. 13/G, R.S. No. 43/4 Greaves Road, Madras-6; and 1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the second floor over the passage together with the unfinished construction of the plinth area of 600 Sq. ft. in the Second floor.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 15th January 1977

Ref. No. F. 5247/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 5 (Pilot No. 13G), situated at Greams Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sq. ft. in the II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras (Doc. No. 630/76) on 27-5-1976 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore,
4. Shri T. Govindasami
Madras-4;
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.
(Transferor)
- (2) Hajee K. R. Abdul Karcem
No. 5 Gandhi Nagar, Koothanallur
Thanjavur Dist.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th of the undivided share in 2 grounds & 559 Sq. ft. bearing Plot No. 13-G, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6; & 1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the Second floor over the passage together with the unfinished construction of the plinth area of 600 Sq. ft. in the II Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5247/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5 (Plot No. 13G), situated at Greams Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sq. ft. in the II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 631/76) on 27-5-1976.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4;
4. Shri T. Govindasami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Miss K. R. A. Razeena Begum (Minor)
represented by father and guardian
Shri K. R. Abdul Kareem
No. 5 Gandhi Nagar, Koothanallur
Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th of the undivided share in 2 Grounds & 559 Sq. ft. bearing Plot No. 13G, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6, & 1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the II Floor over the passage together with the unfinished construction of the plinth area of 600 Sq. ft. in the II Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madrass-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5247/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. (Plot No. 13G, (Door No. 5, situated at Grams Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sq. ft. in the II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras-17 (Doc. No. 632/76) on 27-5-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4;
4. Shri T. Govindasami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Mrs. K. R. A. Mahmoodha Begum
No. 5 Gandhi Nagar,
Koothanallur, Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th of the undivided share in 2 grounds & 559 Sq. ft. bearing Plot No. 13G, R.S. No. 43/4 Grams Road, Madras-6; & 1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the II Floor over the passage together with the unfinished construction of the plinth area of 600 Sq. ft. in the II Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Madras-6, the 15th January 1977

Ref. No. 5247/76-77.—Whereas, I, S. RAJARATNAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 (Pilot No. 13G), situated at Greams Road, Madras-6 (unfinished construction of 600 Sq. ft. in the II Floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 633/76 on 27-5-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukarasu;
3. Shri M. Anandan;
No. 1 First Link St., CIT Colony, Mylapore, Madras-4;
4. Shri T. Govindasami
No. 62/B Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri K. R. A. Mohamed Ali (Minor)
represented by father and guardian
Shri K. R. Abdul Kareem
No. 5 Gandhi Nagar, Koothanallur
Tanjore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/28th of the undivided share in 2 grounds & 559 Sq. ft. bearing Plot No. 13G, R.S. No. 43/4 Greams Road, Madras-6; and 1/21 share of 645 Sq. ft. of the covered area in the western portion of the second floor over the passage together with the unfinished construction of 600 Sq. ft. in the II Floor.

S. RAJARATNAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 15-1-77.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 14th January 1977

Ref. No. 98/Acq/KANPUR/76-77.—Whereas, I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kanpur on 21-5-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bharat Kumar S/o Late Shri Laxmi Narain, and 2. Shrawan Kumar S/o Hira Lal, R/o 111/463, Brahma Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Firoz Labour Cooperative Housing Society Limited Juhi Garha 127/246, Kanpur. Through Shri Indrasen Mishra, S/o Pt. Yadinandan Mishra, R/o Juhi Baburahiya, Kanpur, Secretary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Land Bhumdhari Nos. 733, 704, 703, 702, 701, 684, 732, 709 and 710, measuring 3 Bigha 5 Biswansi, situated at Village Naubasta, Pargana & Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 45,668/75.

L. N. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 14-1-77.

Seal :